BORDER NEWS MIRROR

ISSUE :

5

www.bordernewsmirror.com | Only bilingual Newspaper | 16-03-2024 (Saturday)

// PAGE

जान्हवी कपूर ने किया स्टैंड-अप कॉमेडी मे

जान्हवी कपूर ने स्टैंड-अप कॉमेडी में अपना डेब्यू किया है। उनके स्टैंड-अप करने का पर्पज लोगों को HPV के बारे में जागरुक करना है।

// PAGE

यामी स्टारर आर्टिकल 370 गल्फ देशों में हुई बैन

यामी गौतम स्टाररथ्रिलर आर्टिकल 370 गल्फ देशों में बैन कर दी गई है। आर्टिकल 370 इस तरह की सेंसरशिप का सामना करने वाली साल की दूसरी फिल्म है।

// PAGE

रवीना टंडन के साथ सेल्फी लेने के लिए उमड़ी भीड़

90 के दशक की टॉप क्लास एक्ट्रेस रहीं रवीना टंडन का चार्म आज भी पहले की तरह कायम है।

द्रमुक, कांग्रेस का इतिहास घोटालों और भ्रष्टाचार से भरा: मोदी

कन्याकुमारी/नयी दिल्ली

कन्याकुमारी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक)-कांग्रेस गठबंधन तमिलनाडु को कभी भी विकसित राज्य नहीं बना सकता क्योंकि इसका इतिहास घोटालों और भ्रष्टाचार से भरा हुआ है। श्री मोदी ने लोकसभा चुनाव के लिए देश के दक्षिणी हिस्से तक पहुंच बनाने के अभियान के तहत यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, "एक तरफ, आपके पास (लोगों के पास) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कल्याणकारी योजनाएं हैं। दूसरी तरफ, आपके पास इंडिया समूह के घोटालों की सूची है। हमने लोगों को ऑप्टिकल फाइबर और 5जी इंटरनेट मुहैया कराया, लेकिन उन्होंने (इंडिया समूह ने) 2जी घोटाला करके लोगों के पैसे ले लिये। हमने उड़ान योजना शुरु की और उन्होंने हेलिकॉप्टर घोटाला शुरु किया। हमारे पास खेलो इंडिया के नतीजे हैं, उनके पास राष्ट्रमंडल खेल घोटाला है।" उन्होंने कहा कि द्रमुक और कांग्रेस लोगों को लूटने के लिए सत्ता में आना चाहते हैं। द्रमुक 2जी घोटाले की सबसे बड़ी लाभार्थी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने देश को तोड़ने का सपना देखने वालों को खारिज कर दिया। अब, तमिलनाडु के लोग भी ऐसा ही करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, "इस बार तमिलनाडु में हमारा प्रदर्शन द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन के अहंकार को चकनाचूर कर देगा। आज, देश के दक्षिणी छोर कन्याकुमारी से जो लहर उठ रही है, वह बहुत दूर तक जाएगी।" श्री मोदी ने इस वर्ष तमिलनाडु की अपनी पांचवीं यात्रा के दौरान द्रमुक पर निशाना साधते हुए कहा कि यह पार्टी राज्य के भविष्य और विरासत की दुश्मन है तथा उससे जुड़े लोग भारतीय संस्कृति से नफरत करते हैं। उन्होंने कहा, "मैं अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले तमिलनाडु आया और महत्वपूर्ण मंदिरों के दर्शन किये, लेकिन द्रमुक सरकार ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का प्रसारण रोकने का प्रयास किया। इस पर उच्चतम न्यायालय को तमिलनाडु सरकार को फटकार लगानी पड़ी। उन्हें (द्रमुक को) नयी संसद में सेंगोल की स्थापना भी पसंद नहीं आयी।" उन्होंने कहा कि द्रमुक और कांग्रेस केवल महिलाओं को धोखा देना और उनका अपमान करना जानते हैं। तमिलनाडु के लोग जानते हैं कि द्रमुक ने तमिलनाडु की दिवंगत मुख्यमंत्री जे. जयललिता के साथ कैसा व्यवहार किया था। वह संस्कृति आज भी जारी है। द्रमुक और कांग्रेस दोनों महिला विरोधी हैं और वे महिलाओं के नाम पर राजनीति करते रहे हैं। द्रमुक नेताओं ने महिला आरक्षण विधेयक लाने के केंद्र के कदम पर भी सवाल उठाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार ने तमिलनाडु में जल्लीकट्टू की वापसी का मार्ग प्रशस्त किया और राज्य के विकास के लिए बिना रुके काम किया।

ज्ञानेश कुमार, सुखबीर सिंह संधू ने चुनाव आयुक्त का कार्यभार संभाला

नयी दिल्ली

नयी दिल्ली। ज्ञानेश कुमार और डॉ. सुखबीर सिंह संधू ने शुक्रवार को भारत के निर्वाचन आयोग में चुनाव आयुक्त का कार्यभार संभाला। केरल काडर के ज्ञानेश कुमार और उत्तराखंड काडर के डॉ. संधू भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1988 बैच के अधिकारी हैं। आयोग की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने निर्वाचन सदन में नवनियुक्त चुनाव आयुक्तों का स्वागत किया। नवनियुक्त चुनाव आयुक्तों के लिए आगामी 12 सप्ताह अति व्यस्त और चुनौतीपूर्ण होने वाले हैं। श्री राजीव कुमार ने आम चुनाव और चार राज्यों के विधान सभा चुनाव से ठीक पहले आयोग में दोनों चुनाव आयुक्तों के शामिल होने को महत्वपूर्ण बताया। चुनाव आयोग में दो नए चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की अधिसूचना गुरुवार 14 मार्च, 2024 को राजपत्र में प्रकाशित की गई थी।

सीएए पर अमेरिकी बयान को खारिज किया भारत ने

नयी दिल्ली। भारत ने नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 (सीएए) को लेकर अमेरिका के विदेश विभाग के बयान को अपूर्ण जानकारी पर आधारित गलत एवं अनुचित बताते हुए इसे खारिज कर दिया और कहा कि यह कानून भारत की समावेशी परंपराओं एवं मानवाधिकारों के प्रति उसकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धताओं पर आधारित है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में इस बारे में एक सवाल के जवाब में कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 (सीएए) भारत का आंतरिक मामला है और यह कानून भारत की समावेशी परंपराओं और मानवाधिकारों के प्रति हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बंगलादेश के हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदायों से संबंधित उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों की राज्यविहीनता के मुद्दे का समाधान करता है और उनको सुरक्षित आश्रय प्रदान करता है, जो 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत में प्रवेश कर चुके हैं।

SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
HARSIDHI, EAST CHAMPARAN-845422
CONTACT NO.-9470050309, 6209214001, 8809414001

चंदा लेने के मामले में टीएमसी ने कांग्रेस को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने इलेक्टोरल बॉन्ड के द्वारा दिए गए राजनीतिक दलों के चंदों का विवरण जारी किया है। उन आंकड़ों के मुताबिक, भाजपा को सबसे ज्यादा 60.61 अरब रुपये बतौर चंदा मिले हैं, जबकि मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस को 14.22 अरब रुपये दान में मिले हैं। बड़ी बात यह है कि इलेक्टोरल बॉन्ड भुनाकर दान लेना वाली पार्टियों में तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस को पीछे छोड़ दिया है। ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी 16.10 अरब रुपये के साथ दूसरे नंबर पर रही है, जबकि कांग्रेस तीसरे नंबर पर है। आंकड़ों पर गौर करें तब भाजपा, तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस चंदा लेने वालों में क्रमश- नंबर वन, टू और थ्री की पार्टी है। इनके अलावा भारत राष्ट्र समिति को 12.14 अरब, बीजू जनता दल को 7.75 अरब रुपये, डीएमके को 6.39 अरब, वॉयएसआर कांग्रेस को 3.37 अरब, तेलूगू देशम पार्टी को 2.18 अरब, शिवसेना को 1.59 अरब, राष्ट्रीय जनता दल को 72.50 करोड़ और आप को 65.45 करोड़ रुपये मिले हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड से चंदा लेने वाले दलों में सबसे पीछे गोआ फोरवर्ड पार्टी रही, उस सिर्फ 35 लाख रुपये का चंदा मिला है। इनके अलावा नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी को 50 लाख, जम्मू एंड कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस को 50 लाख, महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी को 55 लाख और सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट को 5.50 करोड़ रुपये मिले हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, 2019 से 2024 के बीच 1260 कंपनियों और लोगों ने कुल 12,155.51 करोड़ रुपये मूल्य के 22217 बॉन्ड खरीदे हैं। 23 राजनीतिक दलों ने इन बॉन्ड को भुनाया है। इलेक्टोरल बॉन्ड पांच मूल्य वर्ग में खरीदे गए हैं।

आप में शामिल हुए राज कुमार चब्बेवाल, कांग्रेस को झटका

चंडीगढ़। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि पंजाब से पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधायक राज कुमार चब्बेवाल ने शुक्रवार को पार्टी छोड़कर आप में शामिल हो गए। चब्बेवाल (54) ने कहा कि उन्होंने होशियारपुर जिले के चब्बेवाल विधानसभा क्षेत्र से विधायक के तौर पर भी इस्तीफा दे दिया है। प्रमुख दलित नेता चब्बेवाल पंजाब विधानसभा में विपक्ष के उपनेता थे। वह यहां आप में शामिल हुए और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने उनका पार्टी में स्वागत किया। चब्बेवाल एक सप्ताह के भीतर आप में शामिल होने वाले पंजाब से कांग्रेस के दूसरे नेता हैं। बस्सी पठाना से कांग्रेस के पूर्व विधायक गुरप्रीत सिंह जीपी हाल ही में आप में शामिल हुए थे। आप की प्रदेश इकाई ने पोस्ट में कहा कि चब्बेवाल के शामिल होने से पार्टी और मजबूत हुई है। सूत्रों ने कहा कि आप चब्बेवाल को होशियारपुर लोकसभा सीट से मैदान में उतार सकती है। इसके पहले चब्बेवाल ने पोस्ट किया था, आज कांग्रेस और पंजाब विधानसभा से इस्तीफा दे दिया। चब्बेवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष को लिखा अपना पत्र भी 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने पत्र में लिखा है, मैं कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से अपना इस्तीफा देता हूं।'' हालांकि, उन्होंने पार्टी छोड़ने का कोई कारण नहीं बताया। चब्बेवाल ने पंजाब विधानसभा अध्यक्ष को भी एक पत्र लिखा और उसे भी 'एक्स' पर पोस्ट किया।

पहले घुसपैठ कर कानून तोड़ा अब हुड़दंग कर रहे, इन्हें जेल में होना चाहिए : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार को उनके आवास के पास विरोध प्रदर्शन कर रहे पाकिस्तानी शरणार्थियों पर जमकर बरसे। हिंदू और सिख शरणार्थियों ने केजरीवाल के सिविल लाइंस आवास के पास विरोध प्रदर्शन किया और नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के कार्यान्वयन के खिलाफ अपने बयानों पर आम आदमी पार्टी (आप) नेता से माफी की मांग की। सीएए पर भारत के विपक्षी गुट के नेताओं के बयानों को लेकर पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए शरणार्थियों ने कांग्रेस मुख्यालय के पास विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां ले रखी थीं और कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ नारे लगाए। विरोध प्रदर्शन से नाराज होकर केजरीवाल ने कहा, इन पाकिस्तानियों की हिम्मत? सबसे पहले, उन्होंने हमारे देश में अवैध रूप से घुसपैठ की और हमारे देश के कानूनों को तोड़ा। उन्हें जेल में होना चाहिए था। क्या उनमें इतनी हिम्मत है कि वे हमारे देश में विरोध प्रदर्शन और हंगामा कर रहे हैं?

कोर्ट के आदेश पर 8 घंटे जेल की कोठरी से बाहर रहेगा आफताब

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को तिहाड़ जेल के प्राधिकारियों को सनसनीखेज श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड के मुख्य आरोपी आफताब अमीन पूनावाला को रात में जेल की कोठरी में अकेले बंद करने से पहले दिन में आठ घंटे के लिए बाहर लाने की अनुमति देने को कहा। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत की अगुवाई वाली पीठ ने पूनावाला की एक याचिका पर आदेश दिया। याचिका में कहा गया है कि सुरक्षा की आड़ में आफताब को जेल की कोठरी में अकेले बंद नहीं रखा जा सकता। पीठ में न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया भी हैं। पूनावाला के वकील ने दावा किया कि अन्य कैदियों को एक दिन में आठ घंटे के लिए कोठरी से बाहर ले जाया जाता है लेकिन पूनावाला को सुबह और शाम एक-एक घंटे के लिए ही बाहर आने की अनुमति है। जेल प्राधिकारियों के वकील ने कहा कि खतरे की आशंका के कारण आरोपी को अन्य कैदियों के साथ नहीं रखा गया है। उन्होंने पहले कहा था कि पूनावाला पर रोहिणी में विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) ले जाते वक्त हुए हमले के बाद निचली अदालत ने उसे उचित सुरक्षा मुहैया कराने के संबंध में निर्देश दिए थे। पूनावाला के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल को जेल में किसी से भी बातचीत नहीं करने दी जाती और उसे अलग कोठरी में बंद किया गया है जबकि उसने कोई ''जेल अपराध'' नहीं किया है।

श्रीलंका की नौसेना ने अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में 15 भारतीय मछुआरों को पकड़ा

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने उत्तरी जाफना प्रायद्वीप में कराईनगर के तट से 15 भारतीय मछुआरों को अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में हिरासत में लिया।एक अधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार नौसेना पकड़े गए इन मछुआरों और उनकी नौकाओं को कांकेसंतुराई बंदरगाह ले गई और आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें मत्स्य निदेशालय को सौंप दिया। हाल में श्रीलंका के मछुआरों ने प्राधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन करश्रीलंकाई जल क्षेत्र में भारतीय मछुआरों के कथित मछली पकड़ने पर रोक लगा उनके हितों की रक्षा की मांग की थी। श्रीलंका नौसेना ने कहा कि आज सुबह हिरासत में लिए गए मछुआरों के साथ नौसेना द्वारा वर्ष 2024 में पकड़े गए मछुआरों की संख्या 225 हो गई है। जबकि मछली पकड़ने वाली 16 नौकाओं को जब्त किया है। भारत और श्रीलंका के संबंधों में मछुआरों का मुद्दा एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है।

85 साल के आसाराम बापू की याचिका पर सुनवाई को तैयार गुजरात हाई कोर्ट

सूरत। गुजरात हाईकोर्ट ने संत आसाराम बापू की दोषसिद्धि के खिलाफ दाखिल की गई याचिका पर सुनवाई शुरू करने का फैसला किया है। मामला 2013 के रेप केस से जुड़ा है। गुजरात हाईकोर्ट ने आसाराम बापू की बढ़ती उम्र को देखकर याचिका पर सुनवाई शुरू करने का फैसला लिया है। कोर्ट 4 अप्रैल से उनकी याचिका पर सुनवाई शुरू करेगा।

जस्टिस एएस सुपेहिया और जस्टिस विमल व्यास की खंडपीठ आसाराम की सजा को निलंबित करने की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। तभी उन्होंने बलात्कार की सजा के खिलाफ उनकी अपील पर सुनवाई को प्राथमिकता देने का फैसला किया। जस्टिस सुपेहिया ने कहा, वह 10 साल जेल में काट चुके हैं और 85 साल के हैं। हम सजा को निलंबित करने की उनकी याचिका के बजाय मुख्य अपील पर ही सुनवाई करने वाले है। कोर्ट ने कहा कि हम समर वेकेशन से पहले अपील की सुनवाई पूरी करने की कोशिश करने वाले हैं, ताकी छुट्टियों के बाद फैसला दे सकें। बता दें, गुजरात की एक ट्रायल कोर्ट ने जनवरी 2023 में आसाराम बापू को 2013 में सूरत आश्रम में अपनी महिला शिष्या के साथ कई मौकों पर बलात्कार करने का दोषी ठहराया था। आसाराम को भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार), 377 (अप्राकृतिक यौन संबंध), 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाना), 346 (गलत कारावास), 120 बी (आपराधिक साजिश) और 201 (साक्ष्य नष्ट करना) के तहत दोषी ठहराया गया था।

भाजपा ने गरीब के बेटे को पीएम और बूथ कार्यकर्ता को देश का गृहमंत्री बनाया: अमित शाह

अबकी बार 400 पार का नारा जनता लगा रही

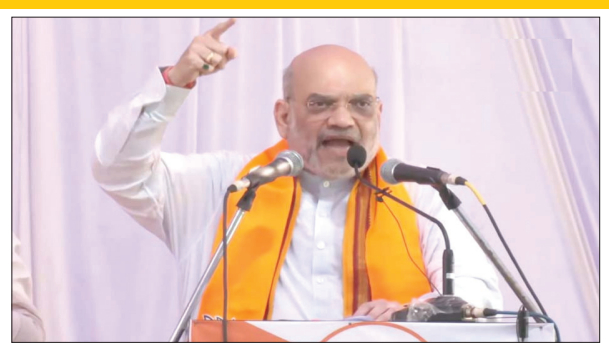

अहमदाबाद(एजेंसी)। लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने गृहराज्य गुजरात के दौरे पर है। इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित कर केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा, आजादी के बाद देश को सुरक्षित करने का काम सिर्फ और सिर्फ नरेंद्र भाई ने किया है। आप सभी के साथ 40 साल से काम कर रहा हूं। अनेक पराजय के बाद हमें चुनाव जीतने की महारथ हासिल हुई है।

शाह ने कहा, देश की जनता अब की बार 400 पार का नारा लगा रही है। जनता चुनाव घोषित होने का इंतजार कर रही है। संकल्प से सिद्धि का मार्ग नरेंद्र भाई ने दिखाया है। अभी तक पूरे देश में 135 सीटों का दौरा करके आया हूं, हर जगह मोदी मोदी की चर्चा हैं। लोकसभा चुनाव सिर्फ सांसद चुनने का नहीं है, बल्कि हर मतदाता को हमारे संकल्प यात्रा के साथ जोड़ना है। शाह ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि लोगों से विनम्रता से मिलिए, प्रचार में सभी को जोड़िए।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, आज 29 साल पहले का दृश्य याद आ रहा है। मैं विधानसभा का चुनाव लड़ने जा रहा था, तब यही हनुमान दादा में दर्शन किए थे और भूपेंद्र पटेल पार्षद थे। आज फिर से वहीं से लोकसभा चुनाव के लिए शुरुआत की है। भाजपा ने बूथ कार्यकर्ता को देश का गृहमंत्री बनाया। पार्टी ने गरीब परिवार के चाय बेचने वाले को प्रधानमंत्री बनाया। भाजपा में आंतरिक लोकतंत्र है, जिसकी वजह से यह संभव हुआ।

मोदी आज विश्व के लोकप्रिय नेता

गृह मंत्री ने कहा, पीएम मोदी ने 33 प्रतिशत महिला आरक्षण देकर महिला शक्ति को विधानसभा-संसद का दरवाजा खोला है। आज नरेंद्र भाई सिर्फ देश के नहीं, दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। आजादी के बाद देश को सुरक्षित करने का काम सिर्फ नरेंद्र भाई ने किया है।

उन्होंने कहा, जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया। दो बार हमारे सैनिकों पर आतंकियों ने हमला किया, जिसका सर्जिकल और एयर स्ट्राइक करके जवाब दिया। डोकलाम में चीन ने जो किया, सब सोच रहे थे क्या होगा? नरेंद्र भाई ने आंख दिखा दिया और चीन को वापस लौटना पड़ा।

नवनियुक्त चुनाव आयुक्तों ने संभाला पदभार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली तीन सदस्यीय पैनल ने गुरुवार को ब्यूरोक्रेट ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को चुनाव आयुक्त के रूप में चुना। यह फैसला चुनाव आयुक्त अरुण गोयल के इस्तीफे के कुछ दिनों बाद आया है। चुनाव आयुक्तों के चयन पैनल में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व लोकसभा मे विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी शामिल थे। नवनियुक्त चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू ने शुक्रवार को चुनाव आयोग के मुख्यालय में कार्यभार संभाल लिया। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने दोनों नवनियुक्त चुनाव आयुक्तों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि उनकी टीम आगामी आम चुनाव सकुशल कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। इससे पहले केंद्र सरकार ने गुरुवार शाम दोनों चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी की।

सीएए पर लंबित याचिकाओं पर सुनवाई को तैयार सुप्रीम कोर्ट, 19 मार्च को मामले की सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 (सीएए) पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सहमत हुआ। 19 मार्च को मामले की सुनवाई होगी। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के सामने मुद्दे का उल्लेख किया। इसके बाद चीफ जस्टिस ने कहा कि मामला अगले सप्ताह सूचीबद्ध किया जाएगा। 2019 से शीर्ष अदालत में दायर दो सौ से अधिक संबंधित याचिकाओं में विभिन्न सीएए प्रावधानों को चुनौती दी गई है। सीएए को दिसंबर 2019 में संसद द्वारा पारित किया गया था, लेकिन केंद्र सरकार ने सोमवार को इसके लिए नियम जारी किए।

इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) की ओर से पेश हुए सिब्बल ने कहा, याचिकाएं 2019 से लंबित हैं। वहीं आम चुनाव से ठीक पहले उन्होंने नियमों की घोषणा कर दी है। एक बार नागरिकता मिल जाने के बाद, प्रक्रिया को उलटना मुश्किल होगा। आईयूएमएल के अलावा, असम कांग्रेस नेता देबब्रत सैकिया, असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद (एक क्षेत्रीय छात्र संगठन), डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) ने भी अलग-अलग आवेदन दायर कर इस पर रोक लगाने की मांग की है।

केंद्र का प्रतिनिधित्व करते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अगर अदालत किसी उपयुक्त दिन पर मामले की सुनवाई करती है, तब उन्हें कोई कठिनाई नहीं है। उन्होंने कहा, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि किसी भी याचिकाकर्ता के पास यह कहने का अधिकार नहीं है कि नागरिकता न दें। जहां तक चुनाव पर बहस का सवाल है, मैं राजनीति को अदालत से दूर रखूंगा। इस पर सीजेआई ने कहा कि मामले में सभी 237 याचिकाओं को 19 मार्च को सूचीबद्ध किया जा सकता है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, विभिन्न बिंदुओं वाले सभी पक्ष... हम कुछ वकीलों को सुन सकते हैं।

इसके पहले सुप्रीम कोर्ट में कई अर्जियां दायर कर नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई थी। इसमें सीएए को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं में से एक इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने अदालत से सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है कि पूर्व में दायर रिट याचिकाओं का निपटारा किये जाने तक मुस्लिम समुदाय से संबंधित लोगों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। सीएए के तहत मुसलमान भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन नहीं कर सकते।

ईवीएम के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, क्षमा करे हम सुनवाई नहीं कर सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने लोकसभा चुनाव-2024 की तिथियों का ऐलान कर दिया। चुनाव आयोग ने बताया कि 16 मार्च को दोपहर बाद संसदीय चुनाव की तिथियां घोषित होगी। इस बीच, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का मुद्दा फिर से सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। तीन जजों की पीठ के समक्ष इससे जुड़ी याचिका सुनवाई के लिए लिस्ट हुई। शीर्ष अदालत ने मामले पर सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता से कहा कि हमें क्षमा करेंज्हम संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत मामले पर सुनवाई नहीं कर सकते हैं। बता दें कि अनुच्छेद 32 में संवैधानिक उपचार का प्रावधान है। मतलब यह कि यदि किसी को लगता है कि कोई मसला या मुद्दा या फिर नीति संविधान के प्रावधानों अनुरूप नहीं है, तब वह न्यायपालिका की शरण में जा सकता है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के कामकाज में अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली याचिका पर शुक्रवार को विचार करने से मना कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'हर पद्धति के अपने सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष होते हैं। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की तीन जजों की पीठ ने कहा कि यह अदालत कई याचिकाओं की पहले ही कई मौकों पर पड़ताल कर चुकी है और ईवीएम के कामकाज से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार कर चुकी है।

हाल ही में वीवीपीएटी से संबंधित एक याचिका पर विचार किया था। हम धारणाओं पर नहीं चल सकते। हर पद्धति के अपने सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष होते हैं। क्षमा करें, हम अनुच्छेद 32 के तहत इस पर विचार नहीं कर सकते। पीठ ने कहा कि याचिका में उठाए गए मुद्दे की शीर्ष अदालत ने विभिन्न याचिकाओं में पड़ताल की है। न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि अदालत ने इस मुद्दे पर 10 से अधिक मामलों की पड़ताल की है।

शिमला सीट पर जीत दर्ज करने कांग्रेस को रचना होगा चक्रव्यूह

-पिछले तीन चुनाव से सीट पर भाजपा का कब्जा

शिमला (एजेंसी)। कभी कांग्रेस का अभेद्य किला रहे हिमाचल की शिमला संसदीय सीट पर पिछली तीन बार से भाजपा का कब्जा है। कांग्रेस को अपना दुर्ग फिर से लेना है, तब कांग्रेस को चक्रव्यूह रचना होगा। यह संसदीय सीट हमेशा सत्ता का केंद्र रही है। कांग्रेस के कृष्ण दत्त (केडी) सुल्तानपुरी यहां से लगातार छह बार सांसद रहे हैं। सुल्तानपुरी प्रदेश के पहले सांसद हैं जिनके नाम यह रिकॉर्ड है। भाजपा कांगड़ा की तरह यहां से भी जीत का चौका लगाना चाहेगी तब प्रदेश में सत्ताधारी कांग्रेस को केडी की विरासत वापस लेने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाना होगा। उधर, भाजपा ने शिमला से सांसद सुरेश कश्यप को टिकट देकर मनोवैज्ञानिक बढ़त ले ली है। शिमला संसदीय सीट का ज्यादातर क्षेत्र पहाड़ी है। 1977 में पहली बार भारतीय लोक दल के बालक राम यहां से सांसद चुने गए। इसके बाद 1980 से 1998 तक कांग्रेस के कृष्ण दत्त सुल्तानपुरी ने लगातार छह बार जीत दर्ज की। उनके सामने कोई भी धुरंधर टिक नहीं सका। इसके बाद धनी राम शांडिल ने 1999 में हिमाचल विकास कांग्रेस से चुनाव लड़कर कांग्रेस के किले में सेंधमारी की। 2004 में हुए चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर फिर जीत दर्ज की। 2009 से अब तक हुए तीन चुनावों में दो बार वीरेंद्र कश्यप और एक बार सुरेश कश्यप ने सीट जीती और भाजपा की हैट्रिक लगाई। पिछले तीन चुनावों से भाजपा की जीत का अंतर हर बार बढ़ा है। 2014 में भाजपा करीब 84 हजार मतों से जीती। 2019 में यह अंतर 3 लाख 27 हजार हो गया। भाजपा को इस बार भी मोदी फैक्टर की आस है। कांग्रेस के पास शिमला को सरकार में प्रतिनिधित्व देने में विशेष तरजीह देने का तर्क है। शिमला संसदीय क्षेत्र में अर्की, नालागढ़, दून, सोलन, कसौली, पच्छाद, नाहन, श्रीरेणुकाजी, पांवटा साहिब, शिलाई, चौपाल, ठियोग, कसुम्पटी, शिमला शहरी, शिमला ग्रामीण, जुब्बल-कोटखाई और रोहड़ू विधानसभा क्षेत्र आते हैं। टिकटों के लिए कांग्रेस में मंथन जारी है। अमित नंदा, दयाल प्यारी, कौशल मुंगटा, सोहन लाल सहित कई नाम चर्चा में हैं। शिमला संसदीय क्षेत्र में कुल जनसंख्या का 26.51 फीसदी भाग अनुसूचित जाति से संबंधित है। सिरमौर जिले के बड़े इलाके में अनुसूचित जनजाति के लोग रहते हैं।

दिल्ली शराब नीति घोटाले में ईडी का एक्शन, बीआरएस नेता के कविता को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) एमएलसी के कविता को हिरासत में ले लिया। जांच एजेंसी की टीम द्वारा उनके हैदराबाद आवास पर तलाशी लेने के कुछ घंटों बाद बीआरएस नेता को हिरासत में ले लिया गया। सूत्रों ने बताया कि कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद कविता को आगे की जांच के लिए दिल्ली लाया जाएगा। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की बेटी कविता इस साल जांच एजेंसी द्वारा जारी किए गए कम से कम दो समन में शामिल नहीं हुईं।

45 वर्षीय बीआरएस नेता सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए 16 जनवरी को मामले में नए दौर की पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश नहीं हुए, जिसमें कहा गया था कि जांच एजेंसी इस मामले में कविता को नहीं बुला सकती है। हालांकि, प्रवर्तन निदेशालय के सूत्रों ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि बीआरएस नेता को पिछले साल शीर्ष अदालत से अस्थायी राहत मिली थी और यह अब मान्य नहीं है।

इससे पहले, कविता से मामले के संबंध में पिछले साल तीन बार पूछताछ की गई थी और जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनका बयान भी दर्ज किया था। बीआरएस एमएलसी ने कहा है कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और इसके बजाय भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर तेलंगाना में %पिछले दरवाजे% से प्रवेश पाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का %दुरुपयोग% करने का आरोप लगाया है।

गुरदासपुर सेंट्रल जेल बनी जंग का मैदान, कैदियों ने जेल अधिकारियों पर किया पथराव

चंडीगढ़। जेल में कैदियों के बीच टकराव की खबरें आ रही हैं। बंदियों का जेल अधिकारियों के साथ मुठभेड़ भी कोई नई बात नहीं है, लेकिन यदि हाई सुरक्षा जेल में पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़ जाएं तब कारागार में गंभीर हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसा ही मामला गुरदासपुर सेंट्रल जेल में सामने आया है। कैदियों ने जेल अधिकारियों और पुलिस पर पथराव किया। वहीं पुलिस ने भी उग्र कैदियों को काबू में करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। जेल परिसर से काला धुआं उठता देखा गया है। इसका वीडियो भी सामने आया है। गुरदासपुर में केंद्रीय जेल के कैदियों ने जेल कर्मचारियों के दुर्व्यवहार से परेशान होकर उनपर पथराव कर तोड़फोड़ की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। 5 पुलिसकर्मी तथा कुछ कैदी इस घटना में घायल हो गए हैं। गुरदासपुर सेंट्रल जेल में कैदियों और पुलिस के बीच टकराव के बाद जेल में हालात काफी संवेदनशील है। कैदियों ने जेल कर्मचारियों और अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कैदियों का कहना है कि उनके साथ न केवल दुर्?यवहार किया जाता है, बल्कि अनावश्यक तरीके से कड़े प्रतिबंध भी लगा दिए गए हैं। कथित तौर पर कैदी जेल के कर्मचारियों के दुर्व्यवहार, उचित चिकित्सा उपचार नहीं मिलने और कड़े प्रतिबंधों से परेशान थे। भड़के हुए कैदियों ने पुलिस फोर्स पर हमला कर कई पुलिसकर्मियों को गिरफ्त में ले लिया और उन्हें अपनी बैरकों में ले गए। कैदी इस कदर भड़के हुए थे कि पुलिस फोर्स बैरकों में घुसने की हिम्मत नहीं कर सका। कैदियों की गिरफ्त में फंसे जेलकर्मियों को छुड़ाने के लिए पुलिस को फायरिंग करनी पड़ी।

आखिर क्या हैं अल्फान्यूमेरिक नंबर...जिस लेकर एसबीआई को फिर लगी सुप्रीम कोर्ट से फटकार

-16 मार्च को 5 बजे शाम तक का दिया समय

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की ओर से फटकार खाने के बाद आखिरकार स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने चुनाव आयोग को दो पीडीएफ फाइलें सौंप दी, लेकिन जो सबसे बड़ा मुद्दा था, उसका खुलासा हुआ ही नहीं। मुद्दा था यूनिक बॉन्ड नंबर को लेकर, जो होते हैं अल्फान्यूमेरिक नंबर। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने फिर से एसबीआई को फटकार लगाकर ये बात पूछ ली कि अल्फान्यूमेरिक नंबर कहां है। इस क्यों जारी नहीं किया गया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को 16 मार्च को 5 बजे शाम तक इन डेटा के बारे में जानकारी दे। मामला यहीं तक नहीं रुका, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एसबीआई 18 मार्च तक इस बात का भी जवाब दे कि उसने बॉन्ड नंबर क्यों नहीं जारी किया। इसके बाद आपके मन में ये सवाल उठ रहा होगा कि आखिर ये बॉन्ड नंबर या अल्फान्यूमेरिक नंबर आखिर होता क्या है? जो पार्टियों को लेकर इतनी बड़ी पोल खोल देगा, जिसका अंदाजा लगाना अभी थोड़ा मुश्किल हैं।

गौरतलब है कि अभी तक सभी को इंतजार था कि चुनावी बॉन्ड मिलने के बाद इस बात का पता लग जाएगा कि किस कंपनी या व्यक्ति ने किस पार्टी को कितने रुपये की रकम दान दी। 14 मार्च को जब इलेक्टोलल बॉन्ड चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड हुआ तब इस बात का पता चल गया कि किस कंपनी ने कितने रुपये की रकम दी है। और ये भी पता चल गया किस पार्टी को कितना रुपया मिला। लेकिन इस बात का नहीं पता चला कि किस विशेष कंपनी ने किस एक पार्टी को कितने रुपये दी है।

जब भी कोई कंपनी या व्यक्ति कोई भी बॉन्ड पार्टी के नाम से खरीदता है, तब उस एक कोड दिया जाता है। अल्फान्यूमेरिक कोड ठीक उसी तरह होता है जैसे आप पासवर्ड या कुछ आईडी वगैरह बनाते हैं तब उसमें कुछ अल्फाबेट कुछ नंबर या/और स्पेशल कैरेक्टर को मिलाकर कोड बनाते हैं। उसी तरह जब पार्टियों को चंदा देने के लिए कोई बॉन्ड खरीदता है, तब एसबीआई की तरफ से जो बॉन्ड दिया जाता है उसमें भी इसी तरह का एक कोड होता है। इस अल्फान्यूमेरिक नंबर से होता क्या है? इससे फायदा यह होता है कि इस बात की पहचान उस कोड से हो जाती है कि आखिर बॉन्ड को खरीदने और बेचने वाला व्यक्ति या कंपनी कौन है।

14 मार्च को आयोग की वेबसाइट पर पब्लिश हुई इलेक्टोरल बॉन्ड की डिटेल में ये बताया गया है कि किस कंपनी ने पैसा दिया, और ये भी बताया गया कि किस पार्टी को कितना रुपया मिला। लेकिन, ये नहीं बताया गया है कि किस कंपनी ने किस एक पार्टी को कितना रुपया दिया।

किसान बोले- जमीन ले ली लेकिन मुआवजा नहीं दिया

बक्सर। के थर्मल पावर प्लांट के बाहर किसान धरने पर हैं। गुरुवार को किसानों ने प्लांट के गेट के सामने अपने कपड़े उतारकर प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि हम लोगों को कंपनी ने नंगा कर दिया। हमारी जमीन ले ली और मुआवजा तक नहीं दिया। हमारे तन पर कपड़ा नहीं। हमारी लज्जा खत्म हो गई है। किसान 20 फरवरी से प्लांट के मुख्य गेट के पास धरना दे रहे हैं। किसानों ने 9 मार्च से गेज को जाम कर रखा है। जिला प्रशासन और एसटीपीएल कंपनी के खिलाफ नारेबाजी चल रही है। किसानों का कहना है कि जब तक हमारी मांग पूरी नहीं होती हम हटने वाले नहीं हैं। प्लांट के मेन गेट पर करीब 500 से ज्यादा किसान जमे हैं। जो टेंट लगाकर बैठे हैं। भारी संख्या में पुलिस बल को प्लांट में बुला लिया गया है। जिला प्रशासन ने प्लांट के रास्ते में धारा 144 लगाई है। जब इस बात की सूचना किसानों को लगी तो उन्होंने धरना स्थल पर धारा 288 का बैनर लगा लिया है। यह कोई कानून की धारा नहीं है। इसे पहली बार 1988 में भारतीय किसान यूनियन के संस्थापक चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत ने इस्तेमाल किया था। उसके 32 साल बाद दिल्ली के पास किसान आंदोलन के समय राकेश टिकैत ने इस्तेमाल किया था। अब चौसा के किसानों ने किया है। किसानों ने धारा 144 का काट बताते हुए 288 लगा जिला प्रशासन और अपनी धरने के बीच में लकीर खींचने की बात कही है। किसान रामप्रवेश यादव ने कहा कि 1058 एकड़ जमीन ले ली। उसका उचित मुआवजा नहीं दिया। जो मुआवजा दिया उसमे लंबा-चौड़ा घोटाला और भ्रष्टाचार किया गया। आरएनआर पॉलिसी के जो पैसे किसानों और खेत में काम करने वाले मजदूरों को मिलने वाले हैं। उसको अभी तक नहीं दिया। कंपनी की योजना का एक भी लाभ नहीं मिल रहा है। हमारे पास तन पर कपड़ा नहीं है। लज्जा समाप्त हो गया है। किसान रामप्रवेश यादव के अनुसार स्थानीय सांसद सह केंद्रीय राज्य मंत्री ने 24 फरवरी की बैठक में आश्वासन दिया था कि 2 मार्च को समहरणालय परिसर में आरएनआर पॉलिसी के तहत किसान मजदूरों का जो मुआवजा बनता है उसे बांटा जाएगा। 26 तारीख को हमलोगों की मीटिंग हुई थी उसमें भी बक्सर के एसडीएम, डीएसपी और कम्पनी के अधिकारी ने इस बात को दोहराया था, लेकिन 2 मार्च बीतने पर जब एसडीएम धीरेंद्र मिश्रा से बात की गई तो बोले की 4 मार्च को आएंगे। चार मार्च बिता तो बोला गया कि 6 मार्च को आएंगे मंत्री, लेकिन नहीं आए। किसान अपनी मांगों को लेकर 16 महीने से धरने पर बैठे हैं। इस दौरान तीन बार गेट जाम किया। पहली बार 11 जनवरी 2023 को गेट जाम किया तो पुलिस ने किसानों पर लाठियां चटका दी। किसानों ने पत्थर फेंकने शुरू कर दिए थे, जिस कारण पुलिस ने गोली भी चलाई थी। इसका फायदा असामाजिक तत्वों ने उठाया था। प्लांट में आग लगा दी थी। कंपनी ने उस वक्त 25 करोड़ रुपए का नुकसान दिखाया था। दूसरी बार 10 अक्टूबर 2023 को गेट जाम किया। उस वक्त सात दिन तक किसान धरने पर बैठे रहे। जिला प्रशासन ने किसानों की 11 सूत्री मांगों को पूरा करने के लिए डेढ़ माह का समय मांगा, पर कुछ हुआ नहीं। अब तीसरी बार 9 मार्च को मुख्य गेट को जाम किया है। किसान आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। बक्सर जिले के चौसा में 1320 मेगावाट की बिजली बनाने वाला थर्मल पावर प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। जिसमें 1058 एकड़ भूमि मुख्य प्लांट के लिए जमीन अधिग्रहण किया गया है। जिसका कार्य लगभग पूरा है। वहीं 225 एकड़ के आसपास जमीन रेल कॉरिडोर और वाटर पाइप लाइन के लिए लिया गया है। किसान 17 अक्टूबर 2022 से ही भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में अनियमितता को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहे है। इस बीच किसानों पर लाठी चार्ज के साथ प्लांट में आगजनी भी हुई। प्लांट ने 25 करोड़ का नुकसान बताया था। कंपनी के सीईओ संजय कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल किसानों के आंदोलन से प्लांट का काम बंद है, लेकिन किसानों से बातचीत हुई है। सकारात्मक पहल से हल निकालने की कोशिश की जा रही है। अगर काम शुरू होता है तो 660 मेगावाट की पहली यूनिट के निर्माण में करीब तीन-चार महीने का समय लग सकता है। इसके बाद ही प्लांट से बिजली का उत्पादन होगा।

संक्षिप्त डायरी

कैमूर में भीषण सड़क हादसा दो युवकों की मौत

कैमूर। में भीषण सड़क हादसे में दो युवक की मौत हो गई। घटना मोहनिया थाना क्षेत्र के समेकित चेकपोस्ट के पास हुई। बताया जा रहा हे कि दो युवक अपने घर से मोहनिया बाजार की ओर जा रहे थे। इसी दौरान दुर्गावती की ओर से आ रही बस ने स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और दोनों युवकों की लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि बस रॉन्ग साइड से आ रही थी। इसी कारण हादसा हुआ। घटना के बाद बस चालक वहां से फरार हो गया। मोहनिया थानाध्यक्ष अवधेश कुमार ने बताया कि सड़क हादसे में दो युवक की मौत हो गई है। बस को जब्त कर लिया गया है। उसके चालक की तलाश में छापेमारी चल रही है। कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार मरने वालों की पहचान दुर्गावती के दहियाव गांव निवासी अमरेंद्र कुमार और रोहित कुमार के रूप में की गयी है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं दुर्गावती प्रखंड प्रमुख श्याम शाह ने पुलिस प्रशासन इस मामले को गंभीरता से ले और आरोपी बस चालक को जल्द से जल्द गिरफ्तार करे। साथ ही पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा भी प्रदान किया जाए।

भीषण सड़क हादसे में शिक्षक की मौत बेटे के साथ बीपीएससी की परीक्षा देने जा रहे थे

भोजपुर। जिले के आरा-सासाराम स्टेट हाईवे पर तेज रफ्तार पिकअप वैन ने बाइक सवार पिता ओर पुत्र को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि पिता की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बेटे का आरा सदर अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। वहीं घटना कि सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल से दोनों को आरा सदर अस्पताल ले आई है। जहां डॉक्टर के जांच करने के बाद पिता को मृत घोषित कर दिया गया है। वहीं घटना जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के उदवंतनगर गांव के समीप शुक्रवार की अहले सुबह हुई है। मृतक की पहचान टाउन थाना क्षेत्र के गौसगंज मोहल्ला निवासी जय किशुन राम के 41 वर्षीय पुत्र हीरालाल रूप में हुई है। वह पेशे से शिक्षक (नियोजित) थे। वर्तमान में बामपाली गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में प्रभारी प्रिंसिपल के पद पर कार्यरत थे। जबकि जख्मी उनका पुत्र राहुल कुमार है। राहुल कुमार ने बताया कि उसके पिता बीपीएससी द्वारा आयोजित शिक्षक भर्ती परीक्षा देने के लिए शुक्रवार की सुबह उसके साथ सासाराम जा रहे थे। सासाराम जाने के क्रम में बाइक राहुल के पिता चला रहे थे। राहुल ने बताया कि उदवंतनगर पहुंचने के बाद विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने रौंद दिया। जिससे उसके पिता की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि राहुल बुरी तरह जख्मी हो गया। घटना के बाद भोजपुर पुलिस के द्वारा आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने देख उसके पिता हीरालाल को मृत घोषित कर दिया। वहीं जख्मी बेटे का इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। वहीं घटना के बाद भोजपुर पुलिस के द्वारा मृतक के परिजनों को सूचना दी गई। वहीं घटना कि सूचना मिलने के बाद मृतक के परिजन आरा सदर अस्पताल पहुंचे। जिसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम आरा सदर अस्पताल में करवाया। परिजनों ने बताया कि मृतक अपने तीन भाई और एक बहन में छोटे थे।

40 फीट तक दिखीं लपटें रास्ता भटकी फायर ब्रिगेड

सुपौल। में गुरुवार देर रात 25 से ज्यादा घरों में आग लग गई। एक घर में खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर में लीकेज होने के कारण आग लगी। आग की वजह से एक-एक कर दो सिलेंडर में ब्लास्ट हुए। आग की लपटें 40 फीट ऊपर तक दिखाई दे रही थीं। आनन-फानन में फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। एक गाड़ी पहुंची, लेकिन दूसरी रास्ता भटक गई। वो नहीं पहुंच पाई। आसपास के लोगों ने एक फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। आग की वजह से 25 घरों में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। आग जिला मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल के पीछे वाली बस्ती में लगी थी। घटना सुपौल नगर परिषद के वार्ड 25 की है। सुपौल शहर के वार्ड 25 में जसोधर मल्लिक के घर खाना बनाने के दौरान गैस लीकेज होने की वजह से आग लगी। नगर परिषद के मुख्य पार्षद राघवेंद्र झा राघव ने बताया कि वार्ड 25 में 25 परिवार के घर आग में खाक हुए हैं। सभी पीड़ितों को रात में पॉलीथिन शीट और खाने की व्यवस्था की गई है। घटना में किसी के भी मौत की सूचना नहीं है ना ही घायल होने की सूचना है। समय रहते सब लोग दूर चले गए थे। दमकल की एक गाड़ी पहुंची थी, बाकी कही और गई थी।

पारस की जिद और मांझी की मांग के बीच एनडीए में सीट बंटवारे की घोषणा

बिहार। पशुपति कुमार पारस की लोक जनशक्ति पार्टी (राष्ट्रीय) और जीतन राम मांझी की पार्टी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा- सेक्युलर को संभालने हुए आज राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ओर से 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए बिहार की 40 सीटों के बंटवारे की योजना सामने आ सकती है। गुरुवार को मांझी से मुलाकात और पारस समेत बाकी घटक दलों से पहले हो चुकी बातचीत के आधार पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा था कि शुक्रवार को सीट शेयरिंग की जानकारी मिल जाएगी। सीट बंटवारे की घोषणा को लेकर जहां सभी की नजर भाजपा पर रहेगी, वहीं मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी घटक दलों की नजर रहेगी।सूत्रों की मानें तो बिहार एनडीए में भाजपा 17, जदयू 16, लोजपा (रामविलास) चार, बाकी बचे तीन सीट में एक लोजपा (पारस गुट), उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा को एक और जीतन राम मांझी की पार्टी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के एक सीट मिल सकती है। मांझी की पार्टी ने गया लोकसभा सीट पर दावा भी ठोक दिया है। अगर मुकेश सहनी एनडीए के साथ आते हैं तो उन्हें भी एक सीट दिया जा सकता है। ऐसे हालात में जदयू या भाजपा को एक सीट पर छोड़ना पड़ सकता है। हालांकि, मुकेश सहनी मुजफ्फरपुर सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां से भाजपा के टिकट पर अजय निषाद जीते थे। लोकसभा चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग की अधिसूचना के साथ या आगे-पीछे भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों की दूसरी सूची आने की संभावना है। भाजपा बिहार की 2019 में जीती अपनी सीटों में से पटना साहिब समेत चार सीटों को छोड़ बाकी 13 पर प्रत्याशियों की घोषणा पहले करे, यह भी संभव है।

गोपालगंज में पुल से नीचे जलती चिता पर गिरा गड्ढे के कारण 10 फीट उछली थी बाइक

गोपालगंज। में एक शख्स पुल से नीचे जलती चिता में गिर गया। जलकर उसकी मौत हो गई। मृतक के भतीजे गणेश कुमार ने बताया कि वो अपनी पत्नी के लिए दवा लेकर लौट रहे थे, तभी पुल पर गड्ढे में उनकी बाइक उछली और वो सीधे 10 फीट नीचे जलती चिता पर गिर गए। नीचे चिता के पास कोई भी नहीं था, इसलिए उन्हें बचाया नहीं जा सका। 20 मिनट तक वो चिता के साथ जलते रहे। उनका आधा शरीर जल गया। कुछ देर बाद लोगों की नजर उन पर पड़ी तो जलती चिता से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मृतक की पहचान लालबेगी गांव निवासी वकील प्रसाद (60) के रूप में हुई है। वो अपने भतीजे शिवम कुमार प्रसाद (25) के साथ यूपी के साहिबगंज पत्नी की दवा लाने गए थे। हादसे में भतीजा घायल होकर बेहोश हो गया है। जिसे सदर अस्पताल से गोरखपुर रेफर कर दिया गया। उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना गुरुवार रात 9 बजे कुचायकोट थाना क्षेत्र के सासामुसा स्थित पुल नंबर 10 के पास की है। भतीजा शिवम कुमार प्रसाद बाइक चला रहा था और मृतक वकील प्रसाद पीछे बैठे थे। बाइक की रफ्तार ज्यादा थी। जिस वजह से बाइक जैसे ही गड्ढे में गई अनियंत्रित हो गई। भतीजा बाइक बैलेंस नहीं कर पाया। गड्ढे के झटके से वकील प्रसाद पुल के नीचे गिर गए। भतीजा आसपास बेहोशी की हालत में पड़ा रहा। स्थानीय लोग जुटे तो मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जख्मी इलाज के लिए रेफर कर दिया गया।

फिर खुद कूदी गंभीर मायके वालों ने छत से महिला को धक्का देने का लगाया आरोप

सीवान। में गुरुवार रात एक महिला ने अपनी मासूम बच्ची को छत से फेंक दिया और फिर खुद भी कूद गई। घटना में बच्ची की मौत हो गई। उसकी उम्र सिर्फ 1 साल 9 महीने थी। वहीं, महिला की हालत गंभीर है। उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला की पहचान सैदपुरा गांव निवासी अजित कुमार की पत्नी सुमन देवी है। बच्ची का नाम अन्वी कुमारी था। महिला के मायके वालों का आरोप है कि ससुराल वालों ने ही उसे छत से धक्का दिया है। वहीं, पति का कहना है कि महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। उसने पहले भी कई बार आत्महत्या करने की कोशिश की है। मौके पर पहुंची पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। बच्ची का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजनों को शव सौंप दिया गया है। थाना अध्यक्ष ने बताया की सबका बयान लिया गया है। इसके आगे जांच पूरा होने के बाद कार्रवाई की जाएगी। घटना गोरेया कोठी थाना क्षेत्र के सैदपुरा गांव की है। मृतका की बहन नाम बिंदु देवी ने बताया कि सुमन अपने सास ससुर, पति सब से परेशान थी। अपनी बहू के साथ ससुराल वाले अच्छा व्यवहार नहीं करते थे। सुमन की बहन बिन्दु देवी ने आरोप लगाया की सुमन के देवर ने उसको और बच्ची को छत से धकेल दिया। वहीं महिला के पति अजित कुमार ने अपने ससुराल वालों के आरोपों का गलत बताया है। पति का कहना है कि उसके और उसके परिवार वालों पर झूठा आरोप लगाया जा रहा है। पति अजित कुमार ने बताया कि इससे पहले भी उसने कई बार आत्महत्या की कोशिश की थी। कई बार धारदार हथियार से अपने हाथ और गला भी काटने की कोशिश कर चुकी है। अजित ने कहा कि घटना वाले दिन उसका भाई घर पर था ही नहीं। वह मां को लेकर छपरा गया था। इस दौरान सुमन छत पर कूद गई।

जेडीयू से अशोक चौधरी और लेसी सिंह बीजेपी से नितिन नवीन मंगल पांडेय बन सकते हैं मंत्री

बिहार। नीतीश सरकार का आज कैबिनेट का विस्तार हो सकता है। इसे लेकर राजभवन में तैयारी पूरी कर ली गई है। मिली जानकारी के मुताबिक,मंत्रियों का शपथ ग्रहण शाम 5 बजे हो सकता है। क्योंकि राज्यपाल अभी गया में हैं। दोपहर एक बजे के बाद वे पटना लौटेंगे। इसके बाद नए मंत्री शपथ ले सकते हैं। सूत्रों की माने तो मंत्रिमंडल विस्तार में जेडीयू कोटे के सारे मंत्री रिपीट होंगे। सिर्फ संजय झा की जगह महेश्वर हजारी की वापसी होगी। वहीं, बीजेपी में कई चेहरों के बदलने की चर्चा है। मिली जानकारी के मुताबिक नितिन नवीन, मंगल पांडेय, लेसी सिंह, अशोक चौधरी को मंत्री बनाया जा सकता है। सूत्रों से यह भी जानकारी मिल रही है कि कुछ नए चेहरे सामने आएंगे। खासकर नए एमएलसी को भी मंत्री पद मिल सकता है। ओबीसी और ईबीसी वर्ग साधने के लिए नए चेहरे सामने आनी की उम्मीद है। दरअसल, एनडीए सरकार का कैबिनेट विस्तार गुरुवार को टल गया था। ऐसा बताया गया था कि बीजेपी की लिस्ट तैयार नहीं थी। जबकि जेडीयू की लिस्ट पहले से तैयार थी। कैबिनेट विस्तार टलने के बाद डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने पहुंचे थे। बिहार में कैबिनेट विस्तार और शीट शेयरिंग पर जारी संशय पर पहली बार उट नीतीश कुमार ने गुरुवार को अपनी प्रतिक्रिया दी। शाम 4 बजे एमएलसी का सर्टिफिकेट लेने के बाद जब सीएम से सीट शेयरिंग को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि जल्दी सब कुछ हो जाएगा। एनडीए में सब कुछ ठीक है। हालांकि उन्होंने सीट शेयरिंग के सवाल पर स्पष्ट कहा था कि आज शाम तक सब कुछ क्लियर हो जाएगा, लेकिन देर शाम तक कोई जानकारी सामने नहीं आई। महागठबंधन से नाता तोड़ने क बाद मुख्यमंत्री मिलाया था।

सचिवालय थाने के पीछे एमएलसी आवास में मर्डर

पटना। में अटल पथ से सटे आर. ब्लॉक क्षेत्र में राजनीतिक दलों से जुड़े जनप्रतिनिधियों के बने सरकारी आवास से सटे कई क्वार्टर का निर्माण चल रहा है। ऐसे ही एक सरकारी क्वार्टर में एक युवक की हाथ-पैर बंधी लाश मिलने से सनसनी फैल गई। जिस क्वार्टर में हत्या हुई है, वह सचिवालय थाने के पीछे की तरफ है और राजनीतिक दलों के लोगों का आना-जाना इस तरह हमेशा बना रहता है। आर ब्लॉक पर निर्माणधीन एमएलसी फ्लैट के 20 नंबर क्वाटर में शुक्रवार सुबह लाश मिलने की सूचना मिलते सचिवालय थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई है। सचिवालय डीएसपी ने जांच के लिए ऋछ की टीम को भी बुलाया गया है। बताया जा रहा है कि युवक को हाथ-पैर बांधकर पहले बेरहमी से पीटा गया और फिर हत्या कर लाश को लटका दिया है। ठेकेदार की तलाश कर रही है।

रांची के कलाकारों ने दिखाई क्या करेगा काजी असम के कलाकार ने प्रस्तुत किया बिहू

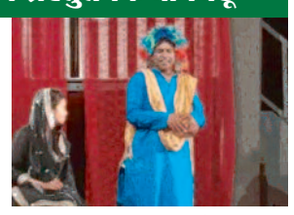

बेगूसराय।संगीत नाट्य अकादमी द्वारा बेगूसराय में आयोजित 6 दिवसीय महोत्सव की तीसरी रात रांची की नाट्य संस्था युवा रंगमंच के निर्देशक अजय मलकानी के निर्देशन में क्या करेगा काजी नाटक की प्रस्तुति की गई। जे.एन. कौशलन अनुवादित नाटक मूल रूप से फ्रेंच कॉमेडी है। क्या करेगा काजी नाटक एक रोशनी नाम की लड़की के त्रिकोणात्मक प्रेम कहानी है। रोशनी को लखनऊ के एक समारोह में नवाब से मिलने के बाद प्रेम हो जाता है। वह एक अनाथ लड़की होते हुए उच्च घराने से संबंध रखती है। जबकि, रोशनी से एक अधीर उम्र का व्यक्ति हाकीम बबन मियां शादी करना चाहता है। नाटक में त्रिकोणात्मक प्रेम कहानी के हास्य परिहास से आगे बढ़ते हुए कम उम्र की लड़की और अधिक उम्र के व्यक्ति के द्वारा शादी करने की लालसा तथा उसकी प्रेम कहानी को निर्देशक ने 16 कलाकारों के माध्यम से गंभीर संवादों के साथ प्रस्तुत किया है। नाटक में जब फकरू हजाम कहता है औरत की जवानी और मर्द का बुढ़ापा मर्द का बेड़ा गर्त कर देता है। नाटक में अगर लोगों को अपनी अपनी गुत्थियों को सुलझाने का काम दे दिया जाए तो दूसरों के काम में टांग अड़ाना छोड़ देंगे जैसे गंभीर संवाद लोगों को कई संदेश भी देते हैं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, संगीत नाटक अकादमी के सचिव राजू दास, उपसचिव शैलेंद्र संबोधित किया।

एक आरोपी गिरफ्तार सब्जी दुकानदार की मौत के बाद लोगों ने किया जाम

पटना। में पुनाईचक सब्जी मंडी में गोलीबारी में घायल सब्जी दुकानदार जितेंद्र राय की इलाज के दौरान गुरुवार को मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को गोली मारने वाले एक अपराधी संतोष गोप को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि हथियार बरामद नहीं हुआ है। संतोष जहानाबाद के मखदुमपुर का रहने वाला है। इस मामले में दूसरा अपराधी छोटू फरार चल रहा है। बताया जाता है कि दुकान लगाने को लेकर 10 साल से विवाद चल रहा था। इसी को लेकर फायरिंग की गई थी। सिटी एसपी चंद्र प्रकाश ने देर रात संतोष की गिरफ्तारी की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संतोष और छोटू पुराने अपराधी हैं। पहले भी जेल जा चुके हैं। संतोष की पहचान जितेंद्र ने ही की थी और मौत से पहले बयान भी दिया था। जांच में यह बात आई कि जितेंद्र और अजय राय सालों से एक साथ दुकान लगाते थे। जितेंद्र और अजय के साथ संतोष का 10 साल से विवाद चल रहा था। वह दोनों को उस जगह पर दुकान लगाने से मना करता था। उस जगह पर उसकी दुकान लगेगी। इसके अलावा भी जितेंद्र का संतोष से कुछ दिन पहले विवाद हुआ था। जिसमें उसने संतोष को देख लेने की धमकी दी थी। मालूम हो कि मंगलवार की देर रात अपराधियों ने सब्जी दुकानदार अजय राय, जितेंद्र राय और ग्राहक गुंजन को गोली मार दी थी। अजय के हाथ में, गुंजन के पैर में और जितेंद्र के सीने में गोली लगी थी। गुरुवार को जितेंद्र की मौत की सूचना मिलने के बाद परिजन और स्थानीय दुकानदार आक्रोशित हो गए थे। घटना के विरोध में लोगों ने पुनाईचक की दुकानें बंद रखीं। आक्रोशित लोगों ने शव को बेली रोड पर ही रख दिया और करीब आधे घंटे तक जाम कर दिया। इस दौरान बेली रोड पर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। आक्रोशित लोगों ने उचित मुआवजे और जितेंद्र की पत्नी को सरकारी नौकरी देने की मांग की।लोगों ने पुनाईचक सब्जीमंडी के पास पुलिस की एक गश्ती गाड़ी देर रात तक लगाने की भी मांग की। सचिवालय डीएसपी सुशील कुमार और शास्त्रीनगर थाने के थानेदार अमर कुमार पहुंचे और कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया तब लोग वहां से हटे। पटना में बाइक सवार 4 अपराधियों ने मंगलवार रात 9:45 बजे ताबड़तोड़ 8 राउंड फायरिंग की। शास्त्रीनगर थाने के पुनाईचक सब्जी मंडी इलाके में एक के बाद एक कई राउंड गोलियां चलीं। फायरिंग में एक साथ 3 लोगों को गोली लगी है। तीनों की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी को इलाज के लिए राजधानी के दो अलग-अलग हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। वारदात के वक्त सब्जी मंडी में मौजूद एक शख्स ने बताया कि 2 बाइक पर 4 लोग पहुंचे थे। सभी चेहरे पर मास्क पहने थे। पहले दुकान बंद करने को कहा। इसके बाद हवा में फायरिंग की। थोड़ी देर बाद दोनों हाथ में पिस्टल लेकर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। प्रत्यक्षदर्शी की माने तो मौके पर 11 राउंड से ज्यादा फायरिंग हुई। एक शख्स को बदमाशों ने दौड़ा-दौड़ाकर भी गोली मारी है।

राजनीति में चंदा बन गया है धंधा

चैतन्य भट्ट

चुनावों में काले धन को रोकने का उद्देश्य यकीनन अच्छा था मगर क्या उसे गोपनीयता की इतनी परतों के अंदर ढांकना जरूरी था ? कुल चंदे का आधे से अधिक सत्तारूढ़ पार्टी को गया है। पार्टियों को सीधे चंदा देने के बजाय क्या यह उचित नहीं था कि धनराशि एक राष्ट्रीय कोष में सीधे जमा कर उसके माध्यम से पारदर्शिता के साथ चुनावी फंडिंग में उपयोग में लाई जाती ?

मीर तकी मीर का एक शेर है : पत्ता पत्ता बूटा बूटा हाल हमारा जाने है, जाने ना जाने गुल ही ना जाने बाग तो सारा जाने है। चुनावी बांड के माध्यम से लिए गए चंदे की भी ऐसी ही कुछ कहानी थी। किसने किसको कितना चंदा दिया , स्टेट बैंक जानता था, सरकार जानती था, चुनाव आयोग जानता था। अगर नहीं जानता था तो सिर्फ मतदाता जो प्रजातांत्रिक व्यवस्था की धुरी है। बहरहाल अब उच्चतम न्यायालय के फैसले से संभव हो गया है कि मतदाता भी जान जाए कि वह जिस पार्टी को वोट दे रहा है उसके पास दौलत की ताकत किस-किस धन्ना सेठ या कंपनी के पास से आई है और कहीं ऐसा तो नहीं कि यह चंदा नहीं बल्कि धंधा हो जिसे देकर सरकारी नीतियों में मनचाहे परिवर्तन से लाभ उठाया गया हो?

एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और सीपीएम द्वारा दायर याचिकाओं में करीब 5 साल चली सुनवाई के बाद उच्चतम न्यायालय ने अंततः चुनावी बांड को असंवैधानिक करार दे दिया और 15 फरवरी को निर्देश दिए कि स्टेट बैंक चुनावी बांड की सारी जानकारी मसलन किसने कितना चंदा दिया और किसे कितना मिला 6 मार्च तक चुनाव आयोग को देगा जो आयोग 13 मार्च तक अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करेगा। सनसनी तब फैली जब स्टेट बैंक ने 6 मार्च से ठीक दो दिन पहले 30 जून तक की मोहलत मांगी कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय समय सीमा पूरी प्रक्रिया के लिए पर्याप्त नहीं है। अपनी पूरी व्यवस्था और लेन देन डिजिटल करने का ढोल पीटने और प्रतिदिन अरबों रुपयों के लेन-देन का हिसाब रखने वाले बैंक की लगभग पांच सालों में जारी मात्र 22217 चुनावी बांडों के बारे में दी गई यह दलील पर सवाल उठे और कयास लगाए गए कि यह सारा तिया-पांचा जानकारी को यथासंभव लोकसभा चुनाव तक बाहर न आने देने के लिए किया गया है। बहरहाल कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई में ऐसा कड़ा रुख अख्तियार किया कि स्टेट बैंक के नुमाइंदे बगलें झांकते नजर आए। नतीजतन तीन महीने का वक्त मांग रहे बैंक ने 24 घंटों में

ही सारी जानकारी चुनाव आयोग को उपलब्ध करा दी।

चुनावी फंडिंग में काले धन को रोकने के उद्देश्य से वर्ष 2018 के बजट में लाए गए यह बांड शुरूआत से विवादों में रहे। इन्हें नया कानून बना कर लाने के बजाय बजट के माध्यम से लाने का कारण यह माना गया कि सरकार नहीं चाहती थी कि इन पर राज्यसभा में कोई बहस हो। पारदर्शिता के बजाय गोपनीयता पर इस हद तक जोर रखा गया कि किसी भी हालत में किसने किसको कितना चंदा दिया जैसे तथ्य बाहर न आ सकें। इसका रास्ता सरल बनाने के लिए तीन अन्य कानूनों में संशोधन भी किए गए। किसी भी प्रकार के बांड को जारी करने के लिए स्वायत्त रिजर्व बैंक ही निर्धारित संस्था थी सो कानून में संशोधन कर सरकार के सीधे नियंत्रण वाले स्टेट बैंक को जिम्मा सौंपा गया। कंपनीज एक्ट में प्रावधान था की चुनावी चंदा वहीं कंपनी ही दे सकती है जो फायदे में हो और यह चंदा भी कुल फायदे के साढ़े सात प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। इसे खत्म कर ऐसी व्यवस्था लाई गई कि घाटा उठा रही कंपनी भी मजे से जितना चाहे चुनावी चंदा दे सके। विदेशी मुद्रा कानून में संशोधन के माध्यम से निश्चित किया गया भारतीय कंपनी की विदेश में स्थित सब्सिडियरी कंपनी भी चुनावी चंदा दे सके। जहां आम करदाता की एक तिहाई आय तक आयकर के रूप में वसूली जाती है वहां करोड़ों का चुनावी चंदा इससे सर्वथा मुक्त रखा गया। अदालत में इन बांडों का बचाव करने में सरकार यह तक कहने तक से नहीं चूकी कि मतदाता को यह जानने का कोई हक नहीं है कि कौन किस राजनीतिक पार्टी को कितना चंदा देता है। कदम कदम पर पारदर्शिता और आम नागरिक के एक एक लेन-देन की खबर रखने को जरूरी बताने वाली सरकार का यह रवैया समझ से परे था।

तमाम कानूनी लड़ाई के बाद अब कम से कम अंततः यह तथ्य सामने आने वाले हैं कि किस धन्नासेठ या कंपनी ने कितना चंदा दिया और किस राजनीतिक दल को कितना मिला। सीधे सीधे यह अधिकृत जानकारी तो सामने नहीं आएगी कि किसका चंदा किसको गया मगर खोजी पत्रकारिता के लिए उपलब्ध जानकारी के आधार पर यह कयास लगाना असंभव नहीं होगा कि किसका पैसा कहां गया। फिर उसे सरकारी नीतियों और निर्णयों से जोड़कर यह बताने की कोशिशें होंगी कि यह चंदा था या धंधा। और देने वालों ने चंदे के नाम पर कैसा और कितना मुनाफा खड़ा किया है।

पूरे घटनाक्रम ने कई सवाल खड़े किए हैं। चुनावों में काले धन को रोकने का उद्देश्य यकीनन अच्छा था मगर क्या उसे गोपनीयता की इतनी परतों के अंदर ढांकना जरूरी था ? कुल चंदे का आधे से अधिक सत्तारूढ़ पार्टी को गया है। पार्टियों को सीधे चंदा देने के बजाय क्या यह उचित नहीं था कि धनराशि एक राष्ट्रीय कोष में सीधे जमा कर उसके माध्यम से पारदर्शिता के साथ चुनावी फंडिंग में उपयोग में लाई जाती ? कानूनी स्तर पर मामला पांच साल खिंचा जिस दौरान पार्टियों ने मजे से हजारों करोड़ रुपए चंदे में वसूल किए इसका जिम्मा कौन लेगा ? चुनाव आयोग के प्रति लोकसभा 95 लाख और प्रति विधानसभा सदस्य 40 लाख खर्च के मापदंडों के अनुसार 543 लोकसभा और लगभग साढ़े चार हजार विधानसभा सीटों का कुल सकल राष्ट्रीय चुनावी व्यय लगभग 2 हजार करोड़ रुपए ही बैठता है जबकि पिछले पांच सालों में 15 हजार करोड़ से अधिक का चंदा सिर्फ चुनावी बांडों से इकठ्ठा किया गया। इस विसंगति का क्या जवाब है?

संपादकीय

हरियाणा में भाजपा का पासा

लोकसभा चुनाव से ऐन पहले हरियाणा में मंगलवार को तेजी से बदले घटनाक्रम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया और कुछ देर बाद भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष और कुरुक्षेत्र से सांसद नायब सिंह सैनी (54) ने राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। सैनी के साथ 5 और मंत्रियों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। खट्टर के नजदीकी माने जाने वाले सैनी पूर्व में मंत्री रह चुके हैं, और पार्टी संगठन में भी उनका अनुभव खासा है। बुधवार को सैनी ने विधानसभा में बहुमत भी हासिल कर लिया। दरअसल, अरसे से भाजपा-जजपा की गठबंधन सरकार में मतभेद की खबरें आ रही थीं, लेकिन जिस तेजी से घटनाक्रम घटा वह अप्रत्याशित था। जजपा राज्य में लोक सभा की तीन टिकटें मांग रही थी, जबकि भाजपा के पास राज्य की सभी लोक सभा सीटें हैं। जजपा अपनी मांग मनवाने के लिए परोक्ष रूप से गठबंधन तोड़ने के संकेत गाहे बगाहे देती रही थी। ऐसे में लोक सभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने जजपा की मांग मानने की बजाय गठबंधन तोड़ना बेहतर समझा। इसलिए भी कि बहुमत साबित करना उसके लिए कठिन नहीं था। अनेक निर्दलीय भाजपा सरकार को समर्थन देने को लालायित थे। कुछ लोगों का मानना है कि ओबीसी पर पकड़ मजबूत करने के लिए यह बदलाव किया गया है। राज्य में ओबीसी समुदाय की सर्वाधिक आबादी (करीब 44 फीसद) है, और कोई भी पार्टी इसकी नाराजगी मोल नहीं ले सकती। जजपा का जनाधार जाट मतदाताओं में माना जाता है। ओबीसी में शुमार जाटों को अपने साथ जोड़े रखने के लिए भी यह दांव चला गया है। जैसे ही जजपा और भाजपा का गठबंधन टूटा वैसे ही जजपा के 8 विधायक भाजपा की ओर लामबंद होते लगे। किसानों के असंतोष से भाजपा सरकार पर सत्ताजनित रोष का साया भी महसूस किया जा रहा था। इस रोष को शांत करने के लिए भी नेतृत्व परिवर्तन जरूरी था। बहरहाल, मंगलवार और बुधवार के घटनाक्रम से इस बात की एक बार फिर से तस्दीक हुई है कि भाजपा में रणनीतिक कौशल और आत्मविश्वास गजब का है। इस कारण वह फैसले लेने, वो भी कड़े और निर्णायक, में जरा देर नहीं करती। अब देखा जाना है कि लोक सभा चुनाव और विधानसभा चुनाव, जो आगामी अक्टूबर माह में होने हैं, में भाजपा कैसा प्रदर्शन करती है। लोक सभा की राज्य से सभी सीटें उसके पास हैं, उन्हें फिर से अपनी झोली में डाल लेना उसकी बड़ी चुनौती है।

चिंतन-मनन

एक प्रवाह है जीवन

जीवा एक प्रवाह है। वह रुकता नहीं, बहता रहता है। जो बहता है, वही प्रवाह होता है। जिसमें ठहराव है, गतिहीनता है, वह प्रवाह नहीं हो सकता। प्रवाह स्वच्छता का प्रतीक है, जबकि ठहराव में गंदगी की संभावना बनी रहती है। प्रवाह में जीवनी शक्ति है, जबकि ठहराव में अस्तित्व का लोप संभव है। ऐसी स्थिति में प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन के प्रवाह को आगे बढ़ाना चाहेगा। सवाल एक ही है कि जीवन कैसा हो? भारतीय संस्कृति में उस जीवन को प्रशस्त जीवन माना गया है जो शांत हो, संतुष्ट हो, पवित्र हो और सानंद हो। शांति, संतुष्टि, पवित्रता और आनंद जीवन की महान उपलब्धियां हैं। इनका संबंध बाह्य पदार्थों से नहीं, व्यक्ति की अपनी वृत्तियों से है। पदार्थों का ढेर लग जाए तो भी वहां शांति का जन्म नहीं हो सकता। संतोष की प्राप्ति भी पदार्थ से नहीं हो सकती।

संसार की संपूर्ण सुख-सुविधाएं कदमों में आकर बिछ जाएं, फिर भी तोष का अनुभव नहीं होता। तीसरा तत्व है पवित्रता। उसका पदार्थ के साथ कोई रिश्ता ही नहीं है। पदार्थ के साथ जितना गहरा अनुबंध होता है, पवित्रता पर उतना ही सघन आवरण आ जाता है। पवित्रता नहीं है तो आनंद कहां से आएगा? आनंद का निवास तो चित्त की पवित्रता में ही होता है। ऐसी स्थिति में सार्थक जीवन जीने की आकांक्षा अधिक दूभर हो जाती है।

शांति का उत्स संयम है। जो लोग संयम से जीते हैं, विशिष्ट शांति का अनुभव करते हैं। स्वतंत्रता से संतोष की प्राप्ति होती है। सोने के पिंजरे में कैद पंछी को कितने ही मेवे-मिष्ठान मिल जाएं, वह कभी संतुष्ट नहीं हो सकता। परतंत्रता चाहे बाहर की हो, या भीतर की; वहां आत्मतोष नहीं मिल सकता। जीवन में पवित्रता तब तक नहीं उतर सकती, जब तक साधन-शुद्धि न हो। आनंद का अनुभव उस व्यक्ति को होता है जो स्वस्थ रहता है। इस प्रकार का जीवन भारतीय संस्कृति का जीवन है। ऐसा जीवन कोई भी जी सकता है, बशर्ते कि वह इतना उदात्त जीवन जीना चाहे। जीवन की सार्थकता और व्यर्थता उसकी शैली पर निर्भर है।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस : जानें अधिकार और बनें जागरूक उपभोक्ता

योगेश कुमार गोयल

जमाखोरी, कालाबाजारी, मिलावट, नाप-तोल में गड़बड़ी, मनमाने दाम वसूलना, बगैर मानक वस्तुओं की बिक्री, ठगी, सामान की बिक्री के बाद गारंटी अथवा वारंटी के बावजूद सेवा प्रदान नहीं करना इत्यादि समस्याओं से ग्राहकों का सामना अक्सर होता रहता है। ऐसी ही समस्याओं से उन्हें निजात दिलाने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है। वास्तव में यह उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का एक महत्वपूर्व अवसर है। उपभोक्ता आन्दोलन की नींव सबसे पहले 15 मार्च 1962 को अमेरिका में रखी गई थी और 15 मार्च 1983 से यह दिवस इसी दिन निरन्तर मनाया जा रहा है। भारत में उपभोक्ता आन्दोलन की शुरूआत मुम्बई में वर्ष 1966 में हुई थी। तत्पश्चात पुणे में वर्ष 1974 में ग्राहक पंचायत की स्थापना के बाद कई राज्यों में उपभोक्ता कल्याण के लिए संस्थाओं का गठन किया गया। इस प्रकार उपभोक्ता हितों के संरक्षण की दिशा में यह आन्दोलन आगे बढ़ता गया। वैसे बाजार में उपभोक्ताओं का शोषण होना कोई नई बात नहीं है बल्कि उपभोक्ताओं के शोषण की जड़ें आज बहुत गहरी हो चुकी हैं। उपभोक्ताओं को इस शोषण से मुक्ति दिलाने के लिए कई कानून भी बनाए गए लेकिन जब से उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अस्तित्व में आने के बाद से उपभोक्ताओं को शीघ्र, त्वरित एवं कम खर्च पर न्याय दिलाने का मार्ग प्रशस्त हुआ और उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की सेवाएं प्रदान करने वाली कम्पनियां व प्रतिष्ठान अपनी सेवाओं अथवा उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के प्रति सचेत हुए।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं तो वे इसकी शिकायत उपभोक्ता अदालत में कर सकें। ग्राहकों के साथ आए दिन होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों को ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए देश में 20 जुलाई 2020 को ह्यउपभोक्ता संरक्षण कानून-2019ह्ल (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) लागू किया गया, जिसमें उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई प्रावधान हैं। यह कानून अब साढ़े तीन दशक पुराने ह्यउपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986ह्ल का स्थान ले चुका है। भारत में उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक वह व्यक्ति उपभोक्ता है, जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है और ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पीड़न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठा सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। खरीदी गई किसी वस्तु, उत्पाद अथवा सेवा में कमी या उसके कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के बदले उपभोक्ताओं को मिला कानूनी संरक्षण ही उपभोक्ता अधिकार है। यदि खरीदी गई किसी वस्तु या सेवा में कोई कमी है या उससे आपको कोई नुकसान हुआ है तो आप उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

उपभोक्ताओं का शोषण होने और ऐसे मामलों में उनके द्वारा उपभोक्ता अदालत की शरण लिए जाने के बाद मिले न्याय के कुछ मामलों पर नजर डालें तो स्पष्ट हो जाता है कि उपभोक्ता अदालतें उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण के लिए कितना बड़ा काम कर रही हैं। एक उपभोक्ता ने एक दुकान से बिजली का एक पंखा खरीदा लेकिन एक वर्ष की गारंटी होने के बावजूद थोड़े ही समय बाद पंखा खराब होने पर भी जब दुकानदार उसे ठीक कराने या बदलने में आनाकानी करने लगा तो उपभोक्ता ने उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने अपने आदेश में नया पंखा देने के साथ उपभोक्ता को हजार्ना देने का भी फरमान सुनाया। एक अन्य मामले में एक आवेदक ने सरकारी नौकरी के लिए अपना आवेदन अंतिम तिथि से पांच दिन पूर्व ही स्पीड पोस्ट द्वारा संबंधित विभाग को भेज दिया लेकिन आवेदन निर्धारित तिथि तक नहीं पहुंचने के कारण उसे परीक्षा में बैठने का अवसर नहीं दिया गया। आवेदक ने डाक विभाग की लापरवाही को लेकर उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया और उसे न्याय मिला। चूंकि स्पीड पोस्ट को डाक अधिनियम में एक आवश्यक सेवा माना गया है, इसलिए उपभोक्ता अदालत ने डाक विभाग को सेवा शर्तों में कमी का दोषी पाते हुए डाक विभाग को मुआवजे के तौर पर आवेदक को एक हजार रुपये की राशि देने का आदेश दिया।

ऐसी ही छोटी-बड़ी समस्याओं का सामना जीवन में कभी न कभी हम सभी को करना ही पड़ता है लेकिन अधिकांश लोग अपने अधिकारों की लड़ाई नहीं लड़ते। इसका एक प्रमुख कारण यही है कि देश की बहुत बड़ी आबादी अशिक्षित है, जो अपने अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति अनभिज्ञ है लेकिन जब शिक्षित लोग भी अपने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति उदासीन नजर आते हैं तो आश्चर्य होता है। यदि आप एक उपभोक्ता हैं और किसी भी प्रकार के शोषण के शिकार हुए हैं तो अपने अधिकारों की लड़ाई लड़कर न्याय पा सकते हैं। कोई वस्तु अथवा सेवा लेते समय हम धन का भुगतान तो करते हैं पर बदले में उसकी रसीद नहीं लेते। शोषण से मुक्ति पाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप जो भी वस्तु, सेवा अथवा उत्पाद खरीदें, उसकी रसीद अवश्य लें। यदि आपके पास रसीद के तौर पर कोई सबूत ही नहीं है तो आप अपने मामले की पैरवी सही ढ़ंग से नहीं कर पाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें उपभोक्ता अदालतों से उपभोक्ताओं को पूरा न्याय मिला है लेकिन आपसे यह अपेक्षा तो होती ही है कि आप अपनी बात अथवा दावे के समर्थन में पर्याप्त सबूत तो पेश करें। उपभोक्ता अदालतों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इनमें लंबी-चौड़ी अदालती कार्रवाई में पड़े बिना ही आसानी से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यही नहीं, उपभोक्ता अदालतों से न्याय पाने के लिए न तो किसी प्रकार के अदालती शुल्क की आवश्यकता पड़ती है और मामलों का निपटारा भी शीघ्र होता है।

प्रदूषण नियंत्रण : संसाधनों की कमी बड़ी बाधा

अनिरुद्ध गौड़

एनजीटी ने पिछले साल अक्टूबर, 2023 में राज्यों में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी) और केंद्रशासित प्रदेशों की प्रदूषण नियंत्रण समितियां (पीसीसी) में पदों पर कर्मियों और संसाधनों की कमी से जुड़ी 24 अक्टूबर, 2023 की एक मीडिया खबर पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई शुरू की तो ट्रिब्यूनल ने पाया कि प्रदूषण के खिलाफ लड़ने वाली संस्थाएं सीपीसीबी और पीएससी भी कर्मियों के पदों की रिक्तियों और संसाधनों से जूझ रही हैं। क्लाइमेट एक्शन नेटवर्क साउथ एशिया के सीनियर एडवाइजर शैलेंद्र यशवंत ने पिछले साल अपनी इस रिपोर्ट में दिल्ली स्थित थिंकटैंक सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च का हवाला देते हुए दावा किया था कि देश में प्रदूषण नियंत्रण करने वाली संस्थाएं मसलन, राज्यों में एसपीसीबी और केंद्रशासित प्रदेशों में पीसीसी के पास कर्मियों की अपर्याप्त स्वीकृत शक्ति, विशेष रूप से तकनीकी पदों की संख्या, उचित प्रशिक्षण का अभाव, प्रदूषण निगरानी और निवारण उपकरणों की कमी, तकनीकी रूप से सक्षम नेतृत्व की अनुपस्थिति, लंबे समय तक प्रवर्तन तंत्र का अभाव, अपर्याप्त धन और प्रभावी खर्च जैसी समस्याएं बनी हुई हैं।

कहा कि भारत में वायु प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में प्रदूषण नियंत्रण बोर्डस और समितियां केंद्र में हैं। दावा किया गया कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्डस खस्ताहाल हैं। इन सबके मद्देनजर मुद्दा यह है कि देश में प्रदूषण से कैसे निजात पाई जा सकती है। दरअसल, एनजीटी पिछले साल प्रदूषण के एक मामले की सुनवाई कर रहा था। इसी बीच 24 अक्टूबर, 2023 को जब यह मीडिया रिपोर्ट आई तो एनजीटी ने इस पर स्वतः संज्ञान लेकर मूल आवेदन संख्या 693/2023 में इसे शामिल करके कार्रवाई करते हुए सीपीसीबी और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को नोटिस देकर 23 नवम्बर, 2023 को मीडिया खबर पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए थे।

एनजीटी के आदेशों के अनुपालन में सीपीसीबी की 23 नवम्बर, 2023 को रिपोर्ट मिली तो एनजीटी ने पाया कि मीडिया रिपोर्ट में सीपीसीबी और पीसीसी में अपर्याप्त कर्मियों और संसाधनों संबंधी दावे सही हैं। रिपोर्ट में देखा गया कि कुल 28 राज्यों और 8 केंद्रशासित प्रदेशों में एसपीसीबी और पीसीसी के कर्मियों की स्थिति के ब्यौरे में 11,969 स्वीकृत पदों के सापेक्ष 5,877 पद ही भरे हुए हैं जबकि 6,092 पद खाली पड़े हैं। हर साल सर्दियों में वायु प्रदूषण की दिक्कतों का सामना करने वाली दिल्ली पीसीसी में 344 पद स्वीकृत हैं, लेकिन 191 पद ही भरे हैं। उत्तर प्रदेश की एसपीसीसी में 732 स्वीकृत पद हैं, लेकिन 407 पद ही भरे हुए हैं।

उत्तराखंड राज्य में 130 पदों की स्वीकृति के सापेक्ष सिर्फ 51 पद ही भरे हुए हैं। आंध्र प्रदेश में हालत बहुत गंभीर है, 289 स्वीकृत पदों के सापेक्ष सिर्फ 87 पद भरे हैं। बिहार में 249 स्वीकृत पदों के सापेक्ष 202 पद खाली हैं। मध्य प्रदेश में 1228 पदों में 459 पद ही भरे हुए हैं। गुजरात में 831 के सापेक्ष 894 भरे हुए हैं, और 334 खाली हैं। हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, केरल, कर्नाटक, झारखंड, ओडिशा में तो स्वीकृत स्ट्रेंथ से 50 प्रतिशत से भी अधिक पद खाली हैं। अन्य संसाधनों की बात करें तो देश में दो तरह की सेंट्रल और रिजनल एनवायरनमेंटल लैबोरेट्रीज की व्यवस्था हैं। रिपोर्ट्स में पाया गया कि देश की कुल 194 लैबोरेट्रीज में 31 सेंट्रल और 163 रिजनल लैबोरेट्रीज हैं। इन 194 लैबोरेट्रीज में से 41 लैबोरेट्रीज राष्ट्रीय परीक्षण और अंश शोध प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड के तहत एक्रेडेटिड और 12 लैबोरेट्रीज एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन एक्ट द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। यदि इनकी संख्या और बढ़ जाए तो प्रदूषण नियंत्रण को संबल मिलेगा।

इन सब को देखते हुए एनजीटी ने अपने 23 नवम्बर, 2023 को जारी आदेशों में सीपीसीबी की केंद्रीय और रिजनल लैबोरेट्रीज के साथ सभी 28 राज्य और 8 केंद्रशासित प्रदेशों के पर्यावरण एवं वन विभागों को पक्षकार बनाया। इन्हें नोटिस जारी कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए। पूछा कि कर्मचारियों की स्वीकृत संख्या और पदों पर वर्तमान में नियुक्ति, प्रशासनिक, मंत्रालयी और तकनीकी कर्मचारियों का अनुपात, मौजूदा रेग्युलेटिंग और मॉनिटिरंग सुविधा, लैब स्ट्रैंथ इंफ्रास्ट्रक्चर, उपकरणों और हॉटस्पॉट की निगरानी से जुड़ी सुविधाएं क्या हैं।

पिछले दो वित्त वर्षों 2020-21 और 2021-22 के बजट, आय के स्रोत और खर्च का ब्यौरा भी मांगा गया। सीपीसीबी के अलावा करीब 20 एससीपीसी और पीसीसी ने एनजीटी के आदेशों के अनुपालन में रिपोर्ट्स प्रस्तुत की और एनजीटी ने 2 फरवरी, 2024 को सुनवाई की। एनजीटी ने 12 अप्रैल, 2024 में अगली सुनवाई नियत की है। प्रदूषण नियंत्रण के दायित्व के लिए जिम्मेदार संस्थाएं मजबूत होंगी तो निश्चय ही देश में किसी भी तरह के प्रदूषण की समस्या पर नियंत्रण करना आसान होगा।

फरवरी में थोक महंगाई दर में मामूली परिवर्तन, चार महीने के निचले स्तर 0.20 प्रतिशत पर पहुंचा आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति सालाना आधार पर फरवरी में चार महीने के निचले स्तर 0.20 प्रतिशत पर आ गई, जो जनवरी में 0.27 प्रतिशत थी। वाणिज्य मंत्रालय के गुरुवार को इसके आंकड़े जारी किए।

समीक्षाधीन महीने में आनुक्रमिक मूल्य सूचकांक में 0.07 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि इससे एक महीने पहले इसमें 0.33 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

फरवरी, 2024 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, बिजली, मशीनरी और उपकरण और मोटर वाहनों, ट्रेलरों और सेमी-ट्रेलरों आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है। खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति फरवरी में 6.95 प्रतिशत थी। प्राथमिक वस्तुओं की मुद्रास्फीति फरवरी में बढ़कर 4.49 प्रतिशत रही जो इससे पूर्व महीने में 3.84 प्रतिशत थी।

कच्चे तेल की थोक कीमतों में इजाफा- कच्चे तेल की थोक मुद्रास्फीति फरवरी में 8.24 प्रतिशत बढ़ी। ईंधन और बिजली मुद्रास्फीति फरवरी में शून्य से 1.59 प्रतिशत नीचे रही जबकि जनवरी में इसमें शून्य से 0.51 प्रतिशत की गिरावट आई थी। विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति फरवरी में शून्य से 1.27 प्रतिशत नीचे रही।

इस सप्ताह की शुरुआत में, भारत की खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी किए गए थे, जिसमें बताया गया था कि यह जनवरी के 5.10 प्रतिशत की तुलना में फरवरी में वार्षिक आधार पर 5.09 प्रतिशत तक कम हो गया है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से यह आंकड़े जारी किए गए थे।

संक्षिप्त समाचार

वैश्विक एकीकरण मापदंडों पर चीन से आगे निकल गया भारत

सेवा निर्यात में तेजी से तरक्की कर रहा देश

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजार में एकीकरण के संबंध में भारत दो प्रमुख मापदंडों जीडीपी अनुपात में निर्यात और सेवा निर्यात में चीन से आगे निकल गया है। डीएचएल ग्लोबल कनेक्टेडनेस रिपोर्ट के मुताबिक, जीडीपी की तुलना में भारत का निर्यात अनुपात 2021 के बाद से चीन से अधिक हो गया है।

निर्यात व आयात दोनों के लिए देश का सेवा व्यापार भी बहुत अधिक है। बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, 2021 व 2022 में जीडीपी के अनुपात में भारत का निर्यात और आयात तेजी से बढ़ा है। वस्तु-सेवा निर्यात जीडीपी का 23 फीसदी और आयातित वस्तुओं व सेवाओं का 26 फीसदी से अधिक रहा है।

देश का गेहूं भंडार 2018 के बाद पहली बार 100 लाख टन से नीचे

3.20 करोड़ टन तक पहुंच सकती है खरीद

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के गेहूं भंडार में इस साल तेज गिरावट हुई है। भारतीय खाद्य निगम यानी एफसीआई के पास रखे गेहूं का भंडार घटकर 97 लाख टन तक पहुंच गया है। साल 2018 के बाद पहली बार भंडार 100 लाख टन से नीचे पहुंचा है। यह गिरावट दो साल से सरकारी खरीद के सीमित रहने से देखने को मिली है। दूसरी ओर, चावल के भंडार भरे हुए हैं। एफसीआई के पास चावल बफर सीमा के दोगुना से ज्यादा है। बीते कुछ महीनों में सरकार ने कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए भंडार से गेहूं की खुले बाजार में बिक्री की थी। इससे भंडार में और कमी आ गई। 97 लाख टन के साथ ही मौजूदा गेहूं भंडार जरूरी सीमा से काफी ऊपर है। नियमों के मुताबिक सरकार के भंडार में पहली अप्रैल को 74.6 लाख टन गेहूं रहना चाहिए। गेहूं की खरीद का सीजन पहली मार्च से शुरू हो चुका है। इस साल सरकारी खरीद दो साल के मुकाबले ज्यादा रह सकती है। सरकार का अनुमान है कि इस साल गेहूं की खरीद 3.20 करोड़ टन तक पहुंच सकती है। दूसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक इस सीजन में गेहूं का उत्पादन रिकॉर्ड 11.2 करोड़ टन रह सकता है। एक साल में सरकार ने गेहूं की कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए कई बार में 90 लाख टन गेहूं बाजार में उतारा था।

टेलीविजन खरीदने के लिए जेब करनी पड़ेगी ज्यादा ढीली, अप्रैल से बढ़ने वाले हैं दाम!

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप नया टेलीविजन खरीदने का मन बना रहे हैं तो अब आपको जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ सकती है। टीवी का पैनल बनाने में इस्तेमाल होने वाले ओपन सेल के दाम बढ़ने के कारण कंपनियां टीवी के दाम में 10 फीसदी की बढ़ोतरी करने की तैयारी में हैं ताकि लागत का बोझ कुछ कम हो सके। महामारी के बाद से ही इंडस्ट्री को कीमतों में वृद्धि की समस्या का सामना करना पड़ रहा है और पिछले एक साल में ओपन सेल की कीमतें लगभग 30 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं।

अमित शाह बोले- तीन नई सहकारी समितियां कृषि से जुड़ी दिक्कतों को सुलझाएगी, किसानों की आय बढ़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को मृदा स्वास्थ्य के संरक्षण के लिए जैविक खेती को बढ़ावा देने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि सरकार ने आने वाले वर्षों में जैविक खाद्य वस्तुओं का निर्यात 10 गुना बढ़ाकर 70,000 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य रखा है।

सहकारिता मंत्री शाह नौरोजी नगर के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में तीन राष्ट्रीय स्तर की बहुराज्यीय सहकारी समितियों- भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल), नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल) और नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट लिमिटेड (एनसीईएल) के 31,000 वर्ग फुट क्षेत्र को कवर करने वाले नए कार्यालय भवन का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे।

उन्होंने कहा, इन समितियों का उद्देश्य देश में कृषि क्षेत्र की समस्याओं को दूर करके जैविक खाद्य पदार्थों समेत अन्य कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना है। ऐसा होने से किसानों की आय में वृद्धि होगी। कार्यक्रम के दौरान शाह ने रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करते हुए जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर

दिया। उन्होंने कहा, अगले पांच वर्षों में हर जिले में जैविक फार्म और उत्पादों को प्रमाणित करने के लिए एक प्रयोगशाला होगी। शाह ने कहा कि एनसीओएल देश में जैविक खेती को बढ़ावा देगी।

उन्होंने कहा कि वैश्विक जैविक उत्पादों का बाजार कुल 10 लाख करोड़ रुपये का है। भारत का जैविक उत्पादों का निर्यात केवल 7,000 करोड़ रुपये है। हम भारत के जैविक निर्यात को 70,000 करोड़ रुपये तक ले जाना चाहते हैं। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि हमने बीज सहकारी लिमिटेड के लिए 5 वर्ष में 10 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा टर्नओवर का लक्ष्य तय किया है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक कृषि उपज बाजार 2155 अरब डॉलर का है। इसमें भारत की हिस्सेदारी सिर्फ 45 अरब डॉलर है। 2030 तक इसे 115 अरब डालर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। शाह ने विश्वास व्यक्त किया कि इन तीन समितियों के माध्यम से आने वाले दिनों में ऑर्गेनिक प्रोडक्ट, बीज संरक्षण और संवर्धन और एक्सपोर्ट के क्षेत्र में सभी खाई (गैप्स) को भरने में सफलता मिलेगी।

तीनों समितियां कृषि और संबंधित गतिविधियों से जुड़े लोगों के उत्थान को सुनिश्चित करेंगी और प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (पैक्स) के माध्यम से किसानों से कृषि उपज और बीज की खरीद करेंगी। इससे पैक्स को और मजबूती मिलेगी, क्योंकि इससे जुड़े किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य मिलेगा। समितियां यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से काम करेंगी कि शुद्ध अधिशेष (नेट सरप्लस) पर मुनाफा सीधे किसानों के खातों में जाए।

बैंक-बीमा से म्यूचुअल फंड तक में एक ही केवाईसी, एफएसडीसी का प्रस्ताव, समय और लागत को कम करने में मददगार

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंक, बीमा से लेकर म्यूचुअल फंड और अन्य वित्तीय क्षेत्रों में अब एक ही केवाईसी लागू हो सकता है। इससे विभिन्न वित्तीय क्षेत्रों के साथ जुड़ते समय बार-बार केवाईसी देने की जरूरत नहीं होगी। वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद यानी एफएसडीसी ने वित्तीय क्षेत्र में एक समान केवाईसी प्रणाली लागू करने का प्रस्ताव दिया है।

अभी ग्राहकों को हर बार बैंक खाता खोलने, म्यूचुअल फंड या स्टॉक में निवेश करने, इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदने के लिए बार-बार केवाईसी जमा करना पड़ता है। केंद्र ने समान केवाईसी नियमों पर सिफारिशों के लिए वित्त सचिव टीवी सोमनाथन की अगुवाई में विशेषज्ञ समिति बनाईहै।इस प्रक्रिया के लागू होने से कागजी कार्रवाई, समय और लागत को कम करने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में एफएसडीसी ने एक समान केवाईसी सुविधा लाने और इसकी प्रक्रिया के डिजिटलीकरण को सरल बनाने का प्रस्ताव रखा था।

इस तरह एक समान केवाईसी करेगा काम- बचत खाता खोलने, म्यूचुअल फंड में निवेश करने व बीमा पॉलिसी खरीदने के लिए निवेशक को अलग-अलग केवाईसी दस्तावेज जमा करने के बजाय केवल एक बार सीकेवाईसीआर से जुड़ा केवाईसी विवरण देना होगा।

एक बार पंजीकरण की होगी जरूरत- नई प्रक्रिया के तहत एक बार केवाईसी दस्तावेज पंजीकृत हो जाने के बाद आपको एक सीकेवाईसी पहचान पत्र मिलेगा। यह आईडी प्रमाण के साथ 14 अंकों का नंबर होगा। जब आप किसी और जगह खाता खोलने या निवेश करने जाएंगे तो इस नंबर का उपयोग करके सेंट्रल केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री (सीकेवाईसी) से आपका केवाईसी विवरण ले लिया जाएगा। यदि ग्राहक का केवाईसी रिकॉर्ड पहले से ही सीकेवाईसीआर के साथ पंजीकृत है, तो केवाईसी प्रक्रिया की जरूरत नहीं होगी।

एथर एनर्जी के बैटरी पैक ने 40 फुट की गिरावट का परीक्षण परिपूर्ण जीत लिया!

नई दिल्ली, एजेंसी। एथर एनर्जी, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में प्रमुख खिलाड़ी है, अपनी लिथियम-आयन बैटरी तकनीक के साथ अद्वितीय प्रदर्शन, मजबूती और रिलायबिलिटी की पेशकश के साथ नए उद्योग मानक स्थापित कर रही है। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के क्षेत्र में, बैटरी की गुणवत्ता प्रदर्शन निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एथर एनर्जी की बैटरियां अपनी असाधारण डयूरीबिलिटी और रिलायबिलिटी के लिए जानी जाती हैं। विभिन्न इलाकों और परिस्थितियों में 1.1 अरब किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने के बाद, इन बैटरियों ने अपनी सहनशक्ति साबित की है। हाल ही में एक परीक्षण में, बैटरी को बिना किसी नुकसान के 40 फीट की ऊंचाई वाली क्रेन से कठिन ड्रॉप परीक्षण से गुजरना पड़ा, जिससे इसकी मजबूती और डयूरीबिलिटी उजागर हुई। यह परीक्षण एथर की बैटरी डिज़ाइन की डयूरीबिलिटी और रिलायबिलिटी की पुष्टि करता है क्योंकि वे 6 अप्रैल को नए पारिवारिक स्कूटर, एथर रिज़्टा के लॉन्च के लिए तैयार हैं, जो उसी प्रभावशाली बैटरी पैक का उपयोग करता है!

जेनेरिक बैटरियों के विपरीत, एथर एनर्जी की बैटरियां विकसित लिथियम-आयन सेल और एक स्मार्ट बैटरी प्रबंधन प्रणाली का उपयोग करती हैं, जो लगातार और रिलाऐब्ल प्रदर्शन सुनिश्चित करती हैं। इसके अलावा, पानी और धूल प्रतिरोध के लिए आइपी67 रेटिंग के साथ, ये बैटरियां सवरियो को अतिरिक्त आत्मविश्वास प्रदान करती हैं, जिससे उन्हें बैटरी की अखंडता के बारे में चिंता किए बिना विभिन्न इलाकों और मौसम की स्थिति में नेविगेट करने में सक्षम बनाया जाता है।

प्रदर्शन एक अन्य क्षेत्र है जहां एथर एनर्जी की बैटरियां श्रेष्ठ हैं, सामान्य विकल्पों की तुलना में बेहतर टॉर्क, रेंज और गति प्रदान करती हैं। यह चालक के लिए अधिक संतोषजनक और कुशल सवारी अनुभव का अनुवाद करता है। इसके अलावा, एथर एनर्जी अपने एथर बैटरी प्रोटेक्ट प्रोग्राम के साथ लंबी अवधि और लंबी दूरी को प्राथमिकता देती है, जो पांच साल की प्रभावशाली बैटरी वारंटी प्रदान करती है। यह सामान्य बैटरियों के विपरीत है, जो कम वारंटी या सीमित कवरेज के साथ आ सकती हैं, जिससे उपयोगकर्ताओं को अपनी बैटरी के जीवनकाल के बारे में कम भरोसा मिलता है।

कॉलेज में थे तो दोनों किडनी खराब हो गई, आज चलाते हैं डायलिसिस अस्पताल का चेन, देश-विदेश में है 400 सेंटर

नई दिल्ली, एजेंसी। आज वर्ल्ड किडनी डे है। इस अवसर पर आपको हम एक ऐसे उद्यमी की कहानी बता रहे हैं जिनकी दोनों किडनी खराब है। उनकी मां ने किडनी डोनेट की, लेकिन वह भी खराब हो गई। दोनों किडनी खराब होने की बात जान कर तो जैसे उनके जीवन में भूचाल आ गया। जीवन डायलिसिस सेंटर में जाकर सिमट गई। यूएस की यूनिवर्सिटी में मिली मास्टर्स की सीट कैंसिल हो गई। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आज वह देश भर में डायलिसिस का अस्पताल नेफ्रोप्लस की चेन चलाते हैं। आज की तारीख में देश के 225 शहरों में उनके 370 सेंटर चल रहे हैं। यही नहीं उनकी पहुंच विदेशों में भी हो गई है। आज हम सक्सेस स्टोरी में नेफ्रोप्लस के को-फाउंडर कमल शाह की संघर्ष की दास्तान सुना रहे हैं।

सामान्य चल रही थी पढ़ाई- कमल शाह का संबंध एक गुजराती कारोबारी परिवार से है। पहले उनके अभिभावक बेंगलुरु में रहते थे। बाद में वह हैदराबाद शिफ्ट कर गए। वहीं उनकी प्रारंभिक शिक्षा हुई। बाद में उनका सेलेक्शन ओस्मानिया विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग कॉलेज में हो गया। स्ट्रीम था

केमिकल इंजीनियरिंग । वहां से स्नातक करने के बाद उनका सेलेक्शन यूएस के एक यूनिवर्सिटी में मास्टर इन केमिकल इंजीनियरिंग के लिए हो गए। उन्होंने इसके लिए सारी प्रक्रिया पूरी की। वीजा लगा, टिकट ले लिया।

जाने से पहले कुछ और चीज का पता चला- जब वह यूएस रवाना हो रहे थे, उससे पहले उन्हें कई तरीके की वैक्सीन लेनी पड़ी। यह यूएस जाने के लिए जरूरी था। वैक्सीन लेने के बाद उन्हें कुछ दिक्कत हुई। लगा वैक्सीन का रिएक्शन है, दो-तीन दिन में ठीक हो जाएगा। लेकिन दिक्कत लंबी चली तो फेमिली डॉक्टर के यहां गए। वहां कुछ टेस्ट करने के बाद पता चला कि उनकी दोनों किडनी खराब है। थोड़ी और जांच चली तो पता चला कि स्थिति कुछ ज्यादा ही खराब है। इसका निदान डायलिसिस होगा। इसके बाद सप्ताह में तीन दिन डायलिसिस करवाना पड़ता था। डॉक्टर ने बताया कि कुछ दिनों में ठीक हो जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

घाट-घाट का पानी पिया तब भी फायदा नहीं- जब किडनी का इलाज नहीं हुआ तो उन्होंने इसे ठीक करने के लिए घाट-घाट का पानी पिया। होमियोपैथी, आयुर्वेदिक, यूनानी, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर सभी को आजमाया। इसमें डेढ़ साल निकल गए।

दुनिया के सबसे बड़े इन्स्टेंट ड्रिंक निर्माता रसना ने अभिनेत्री तमन्ना भाटिया को अपना नया ब्राण्ड एम्बेसडर बनाया

नया अभियान रसना के भावनात्मक जुड़ाव के साथ ही विटामिन और मिनरल्स के कार्यात्मक लाभों पर प्रकाश डालेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। गर्मी के साथ ही, हर साल की तरह इस साल भी रसना एक नए अभियान के साथ सामने आई है, जो न केवल उनके 21 विटामिन और मिनरल्स पर प्रकाश डालता है जो हमें ऊर्जावान बनाते हैं, बल्कि उन भावनाओं को भी उजागर करता हैं जो प्यार, खुशी, जोश और सफलता के विटामिन हैं। व्यापक अनुसंधान और उत्पाद स्वाद परिणामों के आधार पर, रसना को वास्तविक फलों के एक्सट्रैक्ट (अर्क) के साथ एक विटामिन, मिलरल और ग्लूकोज पेय के रूप में पुनः तैयार किया गया है। नया अभियान रसना के ग्राहकों और उनकी बढ़ती जरूरतों को समझने में मदद करने के लिए पूरे भारत में किए गए व्यापक बाजार अनुसंधान का परिणाम है। यह सामाजिक एवं आर्थिक आधार पर ए और बी परिवारों को ध्यान में रखते हुए प्राकृतिक, स्वस्थ और बेहतरीन स्वाद पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करता है और इसे एक स्वादिष्ट, गाढ़े और स्वास्थ्यवर्धक पेय के रूप में पुनर्स्थापित

करता है, जो तर्कसंगत पहलुओं को संतुष्ट करने के साथ साथ ऊर्जा, जोश, खुशी और सबसे महत्वपूर्ण विटामिन, विटामिन के साथ जुड़ाव बढ़ाने में उत्प्रेरक के रूप में काम करता है।

आज रसना न केवल विश्व प्रसिद्ध आविष्कार है, बल्कि इन्स्टेंट ड्रिंक भी है, जो कई प्रारूपों में आते हैं। 750 ग्राम की पाउच से 33 गिलास बनते हैं, 500 ग्राम की पाउच से 22 गिलास बनते हैं, 400 ग्राम की पाउच से 17 गिलास बनते हैं, और एक शैसे से एक गिलास बनता है। रसना ने स्क्वैश और सिरप जैसे नई पीढ़ी के लिक्विड कंसंट्रेट विकसित करने का भी बीड़ा उठाया है। रसना के पास अपने सब ब्राण्ड रसना हेल्दी डे के तहत एक संपूर्ण वेलनेस रेंज भी है, जिसमें शुद्ध हनी, प्रोटीन पाउडर, हनी/माल्ट-आधारित पाउडर, चॉकलेट स्प्रेड, इंस्टेंट सूप आदि शामिल हैं।

निश्चित रूप से इस वर्ष के अभियान का मुख्य आकर्षण फेस ऑफ यूथ और कई लोगों के दिलों की धड़कन, सनसनीखेज तमन्ना भाटिया का शामिल होना है। वास्तव में, तमन्ना बचपन से ही रसना की प्रशंसक रही हैं और रसना का सेवन करती रही हैं, और वास्तविक जीवन में एक बच्चे के रूप में लव यू रसना कहने की उनकी एक अलग याद है और यही कारण है कि उन्हें अपने साथ शामिल करना स्वाभाविक था। वास्तव में, विज्ञापन में वे स्वयं ही रसना के खुशी देने वाली, सफलता देने वाली और निश्चित रूप से रसना द्वारा परिवार के बीच प्रेम को उजागर करने की भावनात्मक स्थितियों को सामने लेकर आ रही हैं। विज्ञापन का यह भावनात्मक जादू भावनात्मक मोर्चे पर तमन्ना के विश्वसनीय अभिनय के बिना नहीं आ सकता था, केवल विज्ञापन देखने से भी यही साबित होगा।

टीवीएस आईक्यूब ने मध्य प्रदेश में बढ़ोतरी का सिलसिला रखा जारी

12000 से अधिक यूनिट की बिक्री का आंकड़ा किया हासिल

भोपाल, एजेंसी। दोपहिया और तिपहिया सेगमेंट में काम करने वाली अग्रणी वैश्विक वाहन निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी ने घोषणा की है कि टीवीएस आईक्यूब सीरीज ने पूरे मध्य प्रदेश में 12000 से अधिक यूनिट की बिक्री का आंकड़ा हासिल किया है।

कंपनी ने देशभर में टीवीएस आईक्यूब की 2.5 लाख से अधिक यूनिट की बिक्री की है और इस तरह यह साबित किया है कि लोग अब बड़ी तेजी से इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की इस क्रांति को आगे बढ़ाते हुए, टीवीएस मोटर कंपनी ने आगे घोषणा की है कि फेम सैकंड सब्सिडी के अलावा, ग्राहक अब मध्य प्रदेश के प्रमुख शहरों में टीवीएस आईक्यूब इलेक्ट्रिक स्कूटर की खरीद पर 12,499 रुपए तक की बेनिफिट स्कीम का भी लाभ उठा सकते हैं। टीवीएस आईक्यूब इलेक्ट्रिक रेंज के स्कूटरों की प्रभावी कीमत 134,422 रुपए से शुरू होती है।

टीवीएस आईक्यूब शहरी यात्रियों के लिए डिज़ाइन की गई अपनी उन्नत सुविधाओं के साथ आता है। एक मजबूत 3.4 केडब्ल्यूएच बैटरी से लैस और 100 किलोमीटर की वास्तविक दुनिया की रेंज का दावा करते हुए, टीवीएस आईक्यूब एक सहज और विश्वसनीय आवागमन अनुभव सुनिश्चित करता है। इसका विशाल 32-लीटर अंडर सीट स्टोरेज आवश्यक वस्तुओं को संग्रहीत करने के लिए पर्याप्त जगह प्रदान करता है, जबकि बड़े फुटबोर्ड और चौड़ी सीट जैसी व्यावहारिक विशेषताएं इसे सबसे आसान स्कूटर बनाती हैं।

इसके अतिरिक्त, 30 पैसे प्रति किलोमीटर की परिचालन लागत के कारण इसका रखरखाव संबंधी खर्च बहुत कम होता है और इस तरह ग्राहक तीन वर्षों में 1.2 लाख रुपये तक की बचत का आनंद ले सकते हैं। टीवीएस आईक्यूब 118 से अधिक कनेक्टेड सुविधाओं के साथ आता है।

टी20 विश्व कप सेमी फाइनल और फाइनल के लिए 'रिजर्व डे'

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अभी प्रयोग पर चल रहे 'स्टॉप क्लॉक' नियम को आगामी टी20 विश्व कप 2024 से सभी पूर्णकालिक सदस्यों के वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय में हमेशा इस्तेमाल करेगा। आईसीसी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आईसीसी ने 'स्टॉप क्लॉक' नियम दिसंबर 2023 में शुरू किया था और अभी इसे इस्तेमाल किया जा रहा है जिसे एक जून 2024 से स्थायी कर दिया जाएगा।

आईसीसी ने अपनी सालाना बोर्ड बैठक के बाद एक बयान में कहा, 'स्टॉप क्लॉक' नियम जून 2024 से वेस्टइंडीज और अमेरिका में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के साथ सभी वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय में स्थायी हो जाएगा।' बयान के अनुसार, 'ट्रायल अप्रैल 2024 तक किया जाना था लेकिन इस ट्रायल के नतीजे साफ दिखाई दे रहे हैं जैसे मैच समय पर खत्म हो रहे हैं जिससे प्रत्येक वनडे मैच में करीबन 20 मिनट बच रहे हैं।'

नियम के अनुसार क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम को पिछला ओवर खत्म होने के 60 सेकेंड के अंदर नया ओवर शुरू करना होगा। इसके लिए मैदान पर लगी एक 'इलेक्ट्रोनिक' घड़ी 60 से लेकर शून्य तक उलटी गिनती करेगी और तीसरा अंपायर घड़ी शुरू करने का समय तय कर सकता है। क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम के ऐसा नहीं करने पर उसे दो चेतावनी दी जाएगी और इसके बाद के उल्लंघन के लिए प्रत्येक घटना के लिए पांच रन का जुर्माना लगाया जाएगा।

आईसीसी ने हालांकि नियम में कुछ अपवाद भी शामिल किए और ऐसी स्थितियों में शुरू हुई घड़ी को रद्द कर दिया जाएगा जिसमें नया बल्लेबाज अगर ओवरों के बीच में आता है, आधिकारिक 'ड्रिंक्स ब्रेक' तथा किसी बल्लेबाज या क्षेत्ररक्षक के चोटिल होने की स्थिति में मैदान पर उपचार किया जाना शामिल है। इस नियम को तब भी लागू नहीं किया जायेगा अगर क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम के नियंत्रण से बाहर की परिस्थितियों के कारण समय खराब हुआ हो। आईसीसी की बैठक में टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल (27 जून) और फाइनल (29 जून) के लिए 'रिजर्व' (सुरक्षित) दिन को भी मंजूरी दी गई। लीग या सुपर आठ चरण के दौरान पूर्ण मैच के लिए दूसरी पारी में बल्लेबाजी कर रही टीम को कम से कम पांच ओवर डालने जरूरी होंगे। पर 'नॉकआउट% मैच में पूर्ण मैच के लिए दूसरी पारी में 10 ओवर डालने की जरूरत होगी। वैश्विक संचालन संस्था ने भारत और श्रीलंका की सह मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफिकेशन प्रक्रिया को भी मंजूरी दी। टूर्नामेंट में 20 टीम हिस्सा लेंगे जिसमें से 12 स्वत¬क्वालीफाई करेंगी। 2024 विश्व कप में शीर्ष आठ टीम भारत और श्रीलंका के साथ स्वत¬ क्वालीफाई करेंगी जबकि बचे हुए दो स्थान 30 जून 2024 तक आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अगली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग टीम को मिलेंगे। इसके बाद बचे आठ स्थान आईसीसी क्षेत्रीय क्वालीफायर के जरिये तय होंगे।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप से बाहर

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दुनिया की नंबर एक जोड़ी गुरुवार रात यहां आल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप के पुरुष युगल प्री क्वार्टरफाइनल से बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी को प्री क्वार्टरफाइनल में इंडोनेशिया के मोहम्मद शोहिल फिकरी और बागास मौलाना की जोड़ी से 16-21 15-21 से हार का सामना करना पड़ा।

इंडोनेशियाई जोड़ी यहां 2022 में चैम्पियन रही थी। शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी ने पिछले हफ्ते फ्रेंच ओपन खिताब जीता था लेकिन यहां तीसरी वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वियों के दबाव से नहीं निपट सकी और एक घंटे से ज्यादा समय तक चले मुकाबले में हारकर बाहर हो गयी। तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी भी महिला युगल के राउंड 16 से बाहर हो गई। उन्हें चीन की झांग शु जियान और जेंग यु से 21-11 11-21 11-21 से पराजय झेलनी पड़ी।

शुक्रवार को भारत के लक्ष्य सेन का सामना पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल में मलेशिया के ली जि जिया से होगा। लक्ष्य ने दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसेन पर 24-22 11-21 21-14 की जीत से क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। लेकिन दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू का अभियान दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की एन से यंग से 19-21 11-21 से हारकर समाप्त हो गया।

श्रेयस अय्यर को बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध मिलने की संभावनाएं बढ़ीं

-आईपीएल के लिए फिट घोषित हुए

मुंबई (एजेंसी)। (ईएमएस)। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को रणजी ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन के कारण बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध मिलने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। इससे पहले उन्हें अनुबंध सूची में जगह नहीं मिली थी। श्रेयस ने रणजी ट्रॉफी फाइनल में विदर्भ के खिलाफ जिस प्रकार अच्छी बल्लेबाजी की है। उससे बीसीसीआई उनसे खुश है। श्रेयस को इस मैच में पीठ में जकड़न आ गयी थी पर अब वह ठीक है और उन्हें फिट घोषित कर दिया गया है। ऐसे में वह आईपीएल खेल सकते हैं। श्रेयस ने मुंबई के लिए दूसरी पारी में 111 गेंदों पर 95 रन बनाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बीसीसीआई इस बल्लेबाज में आये सुधार से भी खुश है। ऐसे में उन्हें केन्द्रीय अनुबंध मिल सकता है।

वहीं इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। बीच बीच में उन्हें पीठ दर्द ने परेशान किया। इसके चलते बीसीसीआई ने उन्हें अंतिम ग्यारह से बाहर कर दिया था। टीम प्रबंधन ने उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी थी पर श्रेयस ने इसकी अनदेखी की थी। इस कारण बीसीसीआई ने उन्हें केन्द्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया था। इसके बाद व रणजी खेलने के लिए तैयार हो गये। पीठ की ऐंठन के कारण वह मुंबई के आखिरी रणजी ट्रॉफी लीग मैच में नहीं खेल पाए पर इस दौरान उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स के प्री-सीज़न कैंप में भाग लेते दिखे जिससे बोर्ड नाराज हो गया था। इसके बाद बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा था कि अगर खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट की जगह आईपीएल को प्राथमिकता देंगे तो उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिलेगी।

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 पर आईसीसी का रुख, बीसीसीआई को सरकार की मर्जी के खिलाफ पाकिस्तान जाने को नहीं कहेगा आईसीसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद यानी आईसीसी के कार्यकारी बोर्ड के एक सूत्र ने बताया कि अगले साल पाकिस्तान में चैम्पियंस ट्रॉफी 'हाइब्रिड मॉडल' पर कराना एक विकल्प हो सकता है क्योंकि आईसीसी भारत की भागीदारी पर फैसला नहीं ले सकता अगर सरकारी नीति उसके खिलाफ है।

आईसीसी बोर्ड की बैठक दुबई में चल रही है। चैम्पियंस ट्रॉफी फरवरी- मार्च 2025 में होनी है जिस पर बातचीत बैठक के एजेंडे में नहीं थी लेकिन पीसीबी के नव निर्वाचित अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि वह बीसीसीआई सचिव जय शाह और आईसीसी के आला अधिकारियों से बैठक से इतर बात करके आश्वासन लेने की कोशिश करेंगे। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने कहा कि बीसीसीआई टूर्नामेंट की तारीख करीब आने पर ही फैसला लेगा और यूएई में इसके आयोजन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

एक वरिष्ठ प्रशासक ने कहा, '' बोर्ड की बैठकों में हर सदस्य अपना मसला उठा सकता है जिस पर वोटिंग होती है। लेकिन अगर सदस्य देश की सरकार कहती है कि वे वहां नहीं खेल सकते तो आईसीसी को विकल्प तलाशने होते हैं।'' उन्होंने कहा, '' आईसीसी बोर्ड का रूख साफ है कि वह अपने सदस्यों से उनकी सरकार की नीति या निर्देशों के खिलाफ जाने की अपेक्षा नहीं करता।'' यह पूछने पर कि पाकिस्तान में खेलने से भारत के इनकार पर क्या उसके खिलाफ वोट होगा, सूत्र ने कहा कि सरकारी निर्देश होने पर यह स्थिति पैदा नहीं होगी।

बीसीसीआई के पूर्व पदाधिकारी ने कहा, '' यह नहीं भूलना चाहिये कि आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड या इंग्लैंड की तुलना में भारतीय क्रिकेट टीम को खतरे की संभावना अधिक है।'' जनवरी फरवरी में भारतीय डेविस कप टीम विश्व ग्रुप प्लेआफ मुकाबला खेलने इस्लामाबाद गई थी और खिलाड़ियों के साथ सहयोगी स्टाफ भी सुरक्षा इंतजामात से खुश था। क्रिकेट टीम का मामला हालांकि अलग है जिसमें विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह जैसे सुपरस्टार हैं। सूत्र ने कहा, '' यह वैश्विक टूर्नामेंट है और एशिया कप जैसा उपमहाद्वीपीय टूर्नामेंट नहीं लिहाजा भारत सरकार नरम रूख अपना सकती है। एशिया कप के दौरान बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला पाकिस्तान गए थे।

केकेआर के मेंटोर गंभीर का कोलकाता पहुंचने पर भव्य स्वागत

कोलकाता। आईपीएल के लिए यहां पहुंचे कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटर गौतम गंभीर का यहां पहुंचने पर प्रशंसकों ने शानदार स्वागत किया। इसका एक वीडियो भी केकेआर ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इसमें टीम प्रबंधन के साथ गंभीर को दिखाया गया है। इसमें लिखा गया है, केकेआर के बॉस 7 लंबे साल के बाद एक विजेता के तौर पर कोलकाता में वापस आये हैं। गौरतलब है कि गंभीर साल 2011 से ही केकेआर के साथ बने हुए हैं। टीम को बेहतर बनाने में उनका अहम योगदान रहा है। उनके कप्तानी में केकेआर ने साल 2012 और 2014 में खिताब जीते थे। गंभीर ने साल 2018 में केकेआर को छोड़ दिया था। उसी साल पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने से पहले वह एक सत्र में उस समय की टीम दिल्ली डेयरडेविल्स से खेले थे। गंभीर के जाने के बाद से ही केकेआर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है। साल 2021 में टीम इयोन मोर्गन के नेतृत्व में फाइनल में पहुंची थी पर यहां उसे हार का सामना करना पड़ा था। वहीं पिछले 2 सत्र से टीम प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी थी। अब देखना है इस बार गंभीर के मार्गदर्शन में टीम कितनी सफल होती है।

अश्विन के खेल में सुधार नहीं होने वाला एक ट्वीट जमकर हो रहा वायरल

नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने हाल ही में अपना 100 वां टेस्ट खेला था। अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका भी निभाई थी। अंतिम टेस्ट में उन्होंने कुल नौ विकेट लिए थे। वहीं इसके बाद उनका एक ट्वीट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इससे कहा गया है कि तुम्हारे खेल में कोई सुधार नहीं हुआ है।

अब अश्विन ने इसी ट्वीट को रीट्वीट करते हुए लिखा, इतने सालों तक खेलने के बाद मेरे गेम में कोई सुधार नहीं हुआ और ऐसा केवल मेरी मां कह सकती है। अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 36 बार 5 विकेट लेकर अनिल कुंबले को भी पीछे छोड़ दिया। कुंबले ने 132 मैच में 35 बार 5 विकेट लिए थे। अश्विन से आगे अब केवल तीन गेंदबाज ही हैं। पांचवे टेस्ट मैच में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के दिवंगत स्पिनर शेन वार्न का भी एक रिकार्ड तोड़ दिया। 100वें टेस्ट में जहां वार्न ने 8 विकेट लिए थे। वहीं अश्विन ने कुल 9 विकेट लिए थे।

अभ्यास सत्र में ऋषभ पंत की बल्लेबाजी देख टीम के साथियों का बढ़ रहा मनोबल: रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। विशाखापत्तनम ¬ दिल्ली कैपिटल्स टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सत्र से पहले अभ्यास सत्र के बाद कहा कि ऋषभ पंत (ऋद्धह्यद्ध्रड्डड्ढद्ध क्ख्रठ्ठह्ल) अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है जिससे टीम का मनोबल भी बढ़ रहा है। दिसंबर 2022 में अपने घर रूड़की जाते समय भयावह कार दुर्घटना के बाद पंत 14 महीने तक क्रिकेट से दूर रहे थे। अब उन्हें बतौर बल्लेबाज और विकेटकीपर खेलने के लिए बीसीसीआई से मंजूरी मिल गई है।

पोंटिंग ने कहा कि हमें पिछले साल उसकी कमी खली। पूरे टूर्नामेंट को उसकी कमी खली। ऋषभ टीम में ऊर्जा लेकर आता है। उसके चेहरे पर मुस्कान है और वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है जिससे पूरी टीम का मनोबल बढ़ा है। उन्होंने स्वीकार किया कि आईपीएल में दिल्ली के पहले मैच में भले ही 8 दिन बाकी रह गए हैं लेकिन टीम ने अभी लय नहीं पकड़ी है। उन्होंने कहा कि हमने अभी शुरूआत ही की है। हम तुरंत ही सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं आ जाएंगे। अभी पहले मैच के बारे में नहीं सोच रहे हैं।

पोंटिंग ने कहा कि हम अभी तक पहले गेम का इतना भी इंतजार नहीं कर रहे हैं। हम कुछ बड़े काम कर रहे हैं। हम बिल्कुल अलग दृष्टिकोण पर काम नहीं कर रहे। जब भी मैं यहां आता हूं तो आईपीएल जीतने की इच्छा के बारे में बात करता हूं। मैं इस वर्ष इसके बारे में और अधिक बात करने जा रहा हूं। मैं चाहता हूं कि लोग पूरी तरह से व्यस्त रहें और यही कारण है कि हम सभी यहां हैं। पोंटिंग बोले- इस टीम को सफलता दिलाना मेरा काम है। हम क्वालिफाई करने के लिए पर्याप्त गेम जीतने के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। हम बात कर रहे हैं आईपीएल जीतने की।

मधुमक्खियों के हमले से बचे अल्काराज इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में

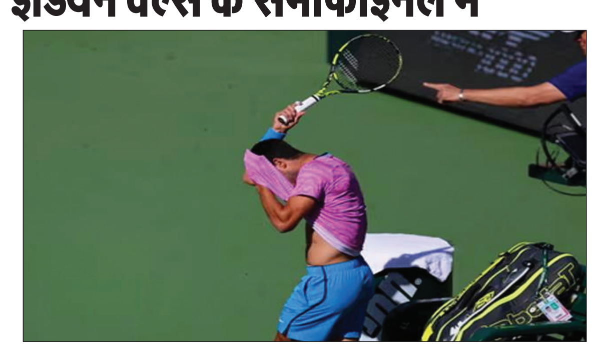

इंडियन वेल्स (अमेरिका)। कार्लोस अल्काराज ने मधुमक्खियों के हमले के कारण करीब दो घंटे के विलंब के बाद एलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-3 6-1 से हराकर बीएनपी पारिबस ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। गुरूवार को मुकाबले के दौरान अचानक मधुमक्खियों ने हमला कर दिया जिससे अल्काराज खुद को बचाते हुए छिप गये और मैच शुरू होने के 19 मिनट ही यह घटना हुई। तब अल्काराज 1-1 की बराबरी पर थे। दर्जनों मधुमक्खियां 'स्पाइडर कैमरे' पर चिपक गईं और उन्हें 'वैक्यूम' से हटाया गया। बाद में कोर्ट के करीब दीवारों और सीट पर स्प्रे बोटल का इस्तेमाल किया गया। मैच एक घंटे 48 मिनट की देरी के बाद शुरु हुआ। यानिक सिनर ने जिरी लेचेका को 6-3 6-3 से हराकर इस साल लगातार 16वें मैच में जीत दर्ज की। अब शनिवार को सिनर का सामना अल्काराज से होगा। टॉमी पॉल ने नौवें वरीय कैस्पर रूड को 6-2 1-6 6-3 से हराकर अपने करियर के दूसरे मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। महिलाओं के वर्ग में शीर्ष वरीय इगा स्वियातेक ने पहले सेट में 1-4 से वापसी करते हुए बढ़त बनायी लेकिन कैरोलिन वोज्नियाकी को चोट के कारण क्वार्टरफाइनल से हटने पर मजबूर होना पड़ा। कोको गॉफ ने डेढ़ घंटे तक चले मुकाबले में युआन युए को 6-4 6-3 से शिकस्त दी। यूक्रेन की मार्ता कोस्तयुक ने रूस की अनास्तासिया पोटापोवा को 6-0 7-5 से शिकस्त देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

स्मिथ किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी करने में सक्षम : टिम पेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान टिम पेन ने कहा है कि वह स्टीव स्मिथ को सलामी बल्लेबाज के रूप में खेलते देखना चाहते हैं हालांकि वह किसी भी क्रम पर खेल सकते हैं। डेविड वार्नर के संन्यास के बाद से ही स्मिथ को सलामी बल्लेबाज के तौर पर रखा गया है पर वह इसमें सफल नहीं होते। स्मिथ न्यूजीलैंड के खिलाफ समाप्त हुई दो टेस्ट मैचों की सीरीज के दौरान चार पारियों में केवल 51 रन ही बना पाये थे। अब तक खेले गए चार टेस्ट मैचों में स्मिथ ने 28.50 की औसत से 171 रन बनाए हैं, जिसमें वेस्ट इंडीज के खिलाफ उनकी 91 रन की एकमात्र अर्धशतकीय पारी भी शामिल है। पेन ने स्मिथ की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह कहीं भी बल्लेबाजी करने के लिए काफ़ी अच्छे हैं। उन्होने कहा, मैं उसे एक सलामी बल्लेबाज के रूप में सफल होते देखना पसंद करूंगा, मुझे लगता है कि वह पारी की अच्छी शुरुआत कर सकते हैं। वह कहीं भी बल्लेबाजी करने के लिए काफी अच्छा है।

वहीं स्मिथ का नंबर चार स्थान पर शानदार रिकॉर्ड रहा है, इस स्थान पर उन्होंने 67 टेस्ट खेले हैं। इन मैचों की 111 पारियों में उन्होंने 61.50 की औसत से 5,966 रन बनाए हैं, जिसमें 19 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 239 है। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि कोई भी विपक्षी टीम चाहेगी कि उसे स्मिथ को सलामी बल्लेबाज के रूप में आउट करने का अवसर मिले। पेन ने कहा, मैं अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेल रहा होता, तो मैं चाहता कि स्मिथ बल्लेबाजी की शुरुआत करें।

पेरिस ओलंपिक में प्रदर्शन में निरंतरता होगी सफलता की कुंजी : पी आर श्रीजेश

नई दिल्ली। बरसों बाद भारतीय पुरूष हॉकी टीम ओलंपिक में पदक विजेता के रूप में उतरेगी और अपेक्षाओं के दबाव को ऊर्जा का स्रोत मानने वाले अनुभवी गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने कहा कि टीम का फोकस प्रदर्शन में निरंतरता पर है जो ओलंपिक में कामयाबी की कुंजी साबित होता है। श्रीजेश ने कहा कि पिछली बार तक सभी बोलते थे कि हमारा हॉकी में गौरवशाली इतिहास है और हमें ओलंपिक में पदक जीतना है। इस बार हमारे पास पदक है और अपेक्षाएं बढ़ गई है और हमने उसके बाद से अच्छा प्रदर्शन भी किया है। यह सकारात्मक दबाव है और याद दिलाता है कि हम पदक जीतने में सक्षम हैं। केरल के इस गोलकीपर ने कहा कि हमारी टीम का मंत्र है कि आउटसोर्स दबाव को बाहर ही रखो, उसे भीतर लेकर मत आओ। दबाव हम खुद बनाते हैं, परिवार का, महासंघ का, दर्शकों का, मीडिया का या फिर सोशल मीडिया का। लेकिन हम उसे टीम में नहीं लाते और अपने खेल पर फोकस रखते हैं। अपनी ताकत, कमजोरियां, लक्ष्य बस इस बारे में ही सोचते हैं। अपने कैरियर में 16 अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुके पद्मश्री श्रीजेश ने कहा कि दबाव ओलंपिक का हिस्सा है लेकिन हम उसे सकारात्मक लेकर ऊर्जा का स्रोत के रूप में इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 4 साल में टीम में और कोचिंग स्टाफ में बदलाव हुआ और माहौल भी बदला है। लेकिन लक्ष्य एक ही है कि हमें ओलंपिक पदक जीतना है और वही सभी के दिमाग है। कई बार निचली रैंकिंग की टीम से हमें कड़ी चुनौती मिली है लिहाजा हम निरंतरता पर फोकस कर रहे हैं। ओलंपिक में पहले दिन से आखिरी दिन तक हॉकी के मैच होते हैं। पिछले मैच को भुलाकर तुरंत अगले मैच पर फोकस करना जरूरी होगा और यही निरंतरता काम आएगी।

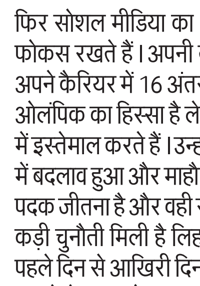

धोनी सिर्फ एक ही है, मैं ध्रुव बनकर ही खुश हूं :ज्यूरेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंगलैंड बनाम भारत टेस्ट सीरीज के दौरान युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव ज्यूरेल को उनकी परफार्मेंस के कारण खूब तारीफ मिली थी। कई फैंस ने तो उनकी महेंद्र सिंह धोनी से भी तुलना कर दी। अब इस मामले पर ज्यूरेल ने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी बात रखी है। उनका कहना है कि कोई भी पूर्व कप्तान की बराबरी नहीं कर सकता। ज्यूरेल जोकि टेस्ट सीरीज के दौरान विकेट के पीछे अपने तेजतर्रार रवैये के कारण चर्चा में आए, ने इस दौरान अपने भविष्य पर भी बात की।

दरअसल, भारतीय पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने टेस्ट सीरीज में ज्यूरेल की परफार्मेंस देखने के बाद उनकी तुलना धोनी से की थी। लेकिन 23 साल के ज्यूरेल ने एक इंटरव्यू में कहा कि मेरी तुलना धोनी सर से करने के लिए गावस्कर सर आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। लेकिन मैं निजी तौर पर कहना चाहता हूं कि धोनी सर ने जो किया है, उसे कोई दोहरा नहीं सकता। केवल एक ही धोनी है। हमेशा था और हमेशा रहेगा। मेरे लिए, मैं सिर्फ ध्रुव जुरेल बनना चाहता हूं। मैं जो भी करता हूं, ध्रुव जुरेल जैसा करना चाहता हूं। धोनी सर एक लीजेंड हैं और वह हमेशा ऐसे ही रहेंगे।

ज्यूरेल ने इस दौरान इंडियन कैप हासिल करने को सपना सच होने जैसा बताया। ज्यूरेल ने कहा कि यह (टेस्ट कैप हासिल करना और मैन ऑफ द मैच हासिल करना) अभी तक खत्म नहीं हुआ है। क्रिकेट के सबसे शुद्ध रूप टेस्ट में खेलना खुशी की बात थी। मुझे यकीन था कि मैं किसी दिन टेस्ट क्रिकेट खेलूंगा और यह हो गया। यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा क्षण रहा। मैं हमेशा से टेस्ट खेलना चाहता था। जब मैं अंडर-19 खेल रहा था, तो मेरा लक्ष्य 200 टेस्ट खेलना था, जो मुझे बाद में एहसास हुआ कि यह संभव नहीं था।

ज्यूरेल ने इस दौरान टेस्ट क्रिकेट और आईपीएल की तुलना को अवास्तविक भी बताया। उन्होंने कहा कि (मेरे लिए) आईपीएल ने (टेस्ट) क्रिकेट के प्रति प्यार को कम नहीं किया है। जब मुझे बैगी कैप (भारत टेस्ट कैप) मिली, तो यह पूरी तरह से एक अलग एहसास था। (दोनों के बीच) कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। टेस्ट क्रिकेट एक अलग स्तर पर है। वहीं, टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह होने पर ज्यूरेल ने कहा कि वह अभी इसके बारे में सोच नहीं रहे हैं।

जब मौसम करे उदास!

हमारी दिनचर्या ऋतु आधारित होती है। हम मौसम के अनुसार ही हम अपना खानपान, पहनावा और रोज़मर्रा के काम तय करते हैं। लेकिन मौसम अपने साथ एक खास तरह की बीमारी भी लाता है, क्या यह आप जानती हैं? मौसम के साथ आने वाली इस विशेष बीमारी को सैड यानी सीज़नल इफेक्टिव डिस्ऑर्डर के नाम से जाना जाता है, जो अवसाद का ही एक रूप है। यह किसी व्यक्ति को खास मौसम में हर बार अवसादग्रस्त बना देता है।

कारण अनजान है

सीज़नल इफेक्टिव डिस्ऑर्डर क्यों होता है और इसके होने की वजह क्या है, इसे लेकर सेहत के जानकार आज भी किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पाए हैं। लेकिन उनका मानना है कि सूरज की रोशनी की कमी इस डिस्ऑर्डर को बढ़ाती है। यह कमी व्यक्ति के उठने-बैठने और सोने के क्रम को प्रभावित करती है, जिसकी वजह से मस्तिष्क में मौजूद रसायन सेरोटिनन पर असर पड़ता है, जो मूड बदलने का कारण है।

लक्षण आसान है

इस डिस्ऑर्डर का सीधा सम्बंध क्योंकि मूड से है, इसलिए इसके लक्षण पहचानना भी आसान है। अवसाद की इस स्थिति से कोई भी प्रभावित हो सकता है। इसमें व्यक्ति का मूड थोड़ी-थोड़ी देर में बदलता रहता है, वह ज्यादा उदास रहने लगता है और किसी भी काम में उसका मन नहीं लगता। प्रभावित व्यक्ति यादा खाना खाने लगता है और उसका वज़न भी बढ़ने लगता है। दिन में थका-थका सा महसूस होना और यादा सोना भी इसके लक्षणों में शामिल है।

यह सभी लक्षण हर साल एक विशेष मौसम में दिखाई पड़ते हैं। देखने में आया है कि सैड के लक्षण सितंबर या अक्टूबर अथवा अप्रैल और मई के बीच यादातर प्रभावित करते हैं।

रोशनी में छुपा उपचार

चिकित्सक सैड के उपचार के लिए अधिकांशतः लाइट थैरेपी का उपयोग करते हैं, जो दो तरह से काम में लाई जाती है। पहली-ब्राइट लाइट थैरेपी, जिसमें रोगी को एक विशेष तरह के 'लाइट बाक्स' के सामने आधे घंटे या इससे यादा के लिए बैठाया जाता है। और दूसरी, हल्की लाइट थैरेपी, जो सुबह होने से पहले की रोशनी जैसी होती है और धीरे-धीरे बढ़ते हुए रोगी को सुबह का अहसास कराती है। इसके अलावा अवसादरोधी दवाएं और काउंसलिंग भी रास्ते हैं, जो रोग से उबरने में आपकी मदद कर सकते हैं। सैड से रोगमुक्त होने के पश्चात भी नियमित व्यायाम, दिनभर में ज्यादा से ज्यादा सक्रियता (खासकर सुबह के समय) की सलाह चिकित्सकों द्वारा दी जाती है।

ज्यादा ठंडा दिल के लिए नहीं कूल

अगर आपको भी रोजाना ठंडी-ठंडी सॉफ्ट ड्रिंक गटकने की आदत है, तो आपके लिए वॉर्निंग है। एक नई स्टडी में दावा किया गया है कि रोज एक कैन यानी 350 मिलीलीटर सॉफ्ट ड्रिंक पीने वालों में हार्ट अटैक का खतरा 20 पर्सेंट तक बढ़ जाता है। ये ड्रिंक्स ज्यादा लेने से डायबीटीज और मोटापा बढ़ने की भी आशंका रहती है। हालांकि हफ्ते में दो सॉफ्ट ड्रिंक पीने वालों के दिल को खतरे के लक्षण नहीं दिखे हैं। वैज्ञानिकों ने 40 हजार पुरुषों पर सर्वे के बाद यह नतीजा निकाला। रोजाना सॉफ्ट ड्रिंक्स या दूसरी मीठी कोल्ड ड्रिंक्स लेने वालों के शरीर में खतरनाक फैट और प्रोटींस काफी बढ़ जाते हैं और अच्छे कॉलेस्ट्रॉल की मात्रा घट जाती है। यह दिल के लिए अच्छा नहीं होता। अहम बात यह है कि एक्सरसाइज जैसे फैक्टर्स से भी इसमें फर्क नहीं पड़ता। स्टडी करने वाले वैज्ञानिकों के लीडर डॉ. फ्रैंक हू कहते हैं कि सॉफ्ट ड्रिंक्स के बजाय पानी, चाय और कॉफी लेना बेहतर होता है।

वजन बढ़ाती हैं सॉफ्ट ड्रिंक्स

भारत में एक्सपर्ट डॉक्टर इस स्टडी से पूरी तरह सहमत नहीं हैं लेकिन ज्यादा कोल्ड ड्रिंक से सेहत को खतरे की बात मानते हैं। ड्रिंक्स लेने का मतलब है ज्यादा कैलोरी लेना, जिससे मोटापा बढ़ सकता है जो तमाम बीमारियों की जड़ होता है। 50 मिलीलीटर मीठी सॉफ्ट ड्रिंक्स से 50 एक्स्ट्रा कैलोरी शरीर में पहुंचती है। रोजाना 300 एमएल ड्रिंक का मतलब 150 कैलरी ज्यादा। इससे एक साल में 8-9 किलो वजन बढ़ सकता है।

फ्रिज में रखें ये आहार

यह बहुत जरूरी है कि सोते समय ऐसा पौष्टिक आहार ग्रहण करें जिससे हमारा पेट भरा रहे। रात में खाना खाने के बावजूद भी अगर भूख लग जाती है तो घर की फ्रिज बहुत काम आती है। क्योंकि उसमें ऐसा जरूर कुछ न कुछ होता ही है जिससे हम अपनी भूख शांत कर सकते हैं। आज हम बात करेंगे कि फ्रिज में ऐसी कौन सी जरूरी चीजे रखें जो रात-बिरात हमारे खाने के काम आए।

फल- सेब, पीपीता, स्ट्रॉबेरी और अंगूर जैसे फल पौष्टिक तो होते ही हैं साथ ही इनको कई दिनों तक फ्रिज में भी स्टोर कर के रखा जा सकता है। इन फलों को खाने से शरीर में वसा भी कम होती है। जब भी आप जल्दी में हो या फिर थके हुए हों तो भी आप इनका सेवन कर सकते हैं।

सब्जियां- कुछ सब्जियां जैसे कि टमाटर या फिर गाजर खाने से पेट भी भरा रहता है और स्वाद में भी यह बहुत टेस्टी होते हैं। टमाटर खाने से शरीर का फैट बर्न होता है और गाजर में विटामिन ए होता है जिससे आंखों की रौशनी बढती है। तो इसलिए यह दोनों सब जयां तो आपकी फ्रिज में होनी ही चाहिए।

दूध- वसा रहित दूध रात में आपकी भूंख से जा रही जान को बचा सकता है। यह सेहत के हिसाब से भी बहुत अच्छा होता है। किसी भी समय दूध को फल के साथ खाने से सेहत बनती है। दूध में कैल्शियम पाया जाता है और वसा रहित दूध से फैट नहीं होता।

दही- यह सेहत से भरपूर दही आप या तो ऐसे ही खा सकते हैं या फिर सलाद में डाल कर इसका प्रयोग कर सकते हैं। जब भी आप कॉलेज या ऑफिस के लिए लेट हों तब दही में नमक या चीनी मिला कर खाने से पेट भर जाता है और पेट भी सही रहता है।

नींबू- हर फ्रिज में नींबू होना बहुत जरूरी है। इसको खाने में स्वाद तो बढाता ही है साथ में फैट भी बर्न करता है। सलाद बना कर नींबू की कुछ बूदें डालने से स्वाद आता है और नींबू का शरबत पीने से पेट भर जाता है।

फ्रूट से फ्रेशनेस रहे कायम

त्वचा की सही तरीके से देखभाल के लिए समय की दरकार होती है, पर टाइट शेड्यूल के चलते वैसा केयर संभव नहीं हो पाता है। लेकिन सौंदर्य विशेषज्ञ मोनिका झावेरी बता रही हैं कुछ फ्रूट मॉस्क के बारे में, जिनकी मदद से आप कम समय में भी खिला चेहरा पा सकते हैं। आइए जानते हैं उन्हें..

एप्पल मास्क

सामान्य त्वचा के लिए एप्पल मॉस्क मुफीद रहता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले सेब के टुकड़ों को फूड प्रोसेसर में डालें और उनके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। अब इसमें शहद मिलाएं और इसे फ्रिज में 10 मिनट के लिए रख दें। अब इस मिश्रण को चेहरे पर हल्के हाथों से लगाएं। चेहरे पर लगाने के बाद इसे 30 मिनट के लिए वैसा ही छोड़ दें और फिर धो दें। सेब में विटामिन ए, बी और सी की बढ़िया मात्रा होती है, लिहाजा यह एक प्रकार का एंटीऑक्सीडेंट भी है।

ऑरेंज मास्क

मुंहासे एक सामान्य समस्या है और कुछ लोगों को यह अक्सर परेशान करती है। खासतौर से किशोरवय के लोग इससे ज्यादा जूझते रहते हैं। मुंहासों से भरी त्वचा के लिए आरेंज मॉस्क बढ़िया काम करता है। इसे बनाने के लिए संतरे में एक टी-स्पून पुदीना और नीबू का रस मिलाएं और फिर इसे चेहरे पर लगाएं। इसे चेहरे पर लगाने के बाद 30 मिनट के लिए छोड़ दें और चेहरा धो लें।

जैसा कि हम जानते हैं, संतरे में विटामिन सी भरपूर होता है, इसलिए यह एंटी-ऑक्सीडेंट और जिंक का बेहतरीन स्रोत है। यह न केवल मुंहासे से बचाव करता है, बल्कि त्वचा की भीतरी सफाई कर मृत त्वचा को निकालने में भी मदद करता है। चेहरे से काले धब्बों को भी यह हटाता है। वैसे इन समस्याओं से निजात पाने के लिए संतरे के जैसे और दूसरे खट्टे फल का भी उपयोग किया जा सकता है।

स्ट्रॉबेरी मॉस्क

इस मॉस्क का उपयोग कमजोर त्वचा को मजबूत बनाने के लिए किया जाता है। इसे बनाना बहुत आसान है। सबसे पहले, पके हुए स्ट्रॉबेरी का आधा कप जूस लें और इसमें एक चौथाई कप कॉर्न स्टार्च मिलाएं। लीजिए, हो गया तैयार। अब इसे चेहरे पर 30 मिनट तक लगाकर रखें, फिर इसे ठंडे पानी से धो दें। आप अपनी कमजोर त्वचा में कसावट व ताजगी पाएंगे। देखने वालों को इसमें चमक दिखाई पड़ेगी।

मोटापा बनता गर्भधारण में रुकावट

मोटापा महिलाओं के मां बनने के रास्ते में बहुत बड़ी बाधा खड़ी कर रहा है। पहले तो मोटी महिला गर्भ धारण बहुत ही मुश्किल से कर पाती है और यदि गर्भ ठहर भी जाए तो उसे कई जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। इस लिए ध्यान रखें कि गर्भधारण करने के पहले चर्बी न बढ़ाएं। मोटापा गर्भवती महिला की जान भी ले सकता है। मोटापा पेट में पल रहे बच्चे को भी हानि पहुंचाता है।

ऐसी स्थिति में पेट में पल रहा बच्चा भी काफि मोटा हो जाता है।

महिलाओं का मोटापा उनको बांझपन की ओर ले जा रहा है। कई शोधों से पता चला है कि मोटापा गर्भधारण करने में बहुत बड़ी अड़चन है। जो महिला मोटापे के बाद गर्भधारण कर के बच्चे को जन्म देती है उसका बच्चा भी 4 चार की उम्र तक आते आते मोटा हो जाता है। जो कि ठीक नहीं है। इस कारण आज की महिला अपने मोटापे को बड़ने नहीं देती जयरत पड़ने पर वह सर्जरी भी करवाती है। सर्जरी के बाद उनको गर्भधारण करने के लिए कम से कम दो साल का इंतजार करना पड़ता है।

मुलहठी के मीठे उपयोग

छोटे बच्चों और बच्चों के लिए आमतौर पर उपयोग में लाई जाने वाली वनौषधियों में एक है- मुलहठी, इसे जेठीमध, मधुक, मधुयस्टि भी कहते हैं। अँग्रेजी में इसे लिकोरिस कहते हैं।विभिन्न प्रकार के रोगों की एक दवा मुलहठी है।यह स्वाद में मधुर, शीतल, पचने में भारी, स्निग्ध और शरीर को बल देने वाली होती है। इन गुणों के कारण यह बढ़े हुए तीनों दोषों को शांत करती है।

'खाँसी-जुकाम से बड़े हुए कफ को कम करने के लिए मुलहठी का ज्यादातर उपयोग किया जाता है। बढ़े हुए कफ से गला, नाक, छाती में जलन हो जाने जैसी अनुभूति होती है, तब मुलहठी को शहद में मिलाकर चाटने से बहुत फायदा होता है।

'बड़ों के लिए मुलहठी के चूर्ण का इस्तेमाल कर सकते हैं। शिशुओं के लिए मुलहठी के जड़ को पत्थर पर पानी के साथ 6-7 बार घिसकर शहद या दूध में मिलाकर दिया जा सकता है। यह स्वाद में मधुर होती है अतः सभी बच्चे बिना झिझक के इसे चाट लेते हैं।

'मुलहठी बुद्धि को भी तेज करती है। अतः छोटे बच्चों के लिए इसका उपयोग नियमित रूप से कर सकते हैं।

'मुलहठी की मधुरता से पित्त का नाश होता है। आमाशय की बढ़ी हुई अम्लता एवं अम्लपित्त जैसी व्याधियों में मुलहठी काफी उपयुक्त सिद्ध होती है। आमाशय के अंदर हुए व्रण (अलसर) को मिटाने के लिए एवं पित्तवृद्धि को शांत करने के लि मुलहठी का उपयोग होता है। मुलहठी को मिलाकर पकाए गए घी का प्रयोग करने से अलसर मिटता है।

'यह हल्की रेचक होती है। अतः पाचन के विकारों में इस के चूर्ण को इस्तेमाल किया जाता है। विशेषतः छोटे बच्चों को जब कब्ज होती है, तब हल्के रेच के रूप में इसका उपयोग किया जा सकता है। छोटे शिशु कई बार शाम को रोते हैं। पेट में गैस के कारण उन्हें शाम के वक्त पेट में दर्द होता है। उस समय मुलहठी को पत्थर पर घिसकर पानी या दूध के साथ पिलाने से पेट दर्द शांत हो जाता है।

अतः खाँसी, दमा, टीबी एवं स्वरभेद (आवाज बदल जाना) आदि फेफड़ों की बीमारियों में बहुत लाभदायक है। कफ के निकल जाने से इन रोगों के साथ बुखार भी कम हो जाता है। इसके लिए मुलहठी का एक छोटा टुकड़ा मुँह में रखकर चबाने से भी फायदा होता है।

Saturday
16 March 2024

BNM Fantasy

जान्हवी कपूर ने किया स्टैंड-अप कॉमेडी मे

जान्हवी कपूर ने स्टैंड-अप कॉमेडी में अपना डेब्यू किया है। उनके स्टैंड-अप करने का पर्पज लोगों को HPV (मानव पैपिलोमावायरस संक्रमण) के बारे में जागरुक करना है। उन्होंने सभी को हंसाकर इस बड़ी बीमारी के बारे में बहुत ही आसानी से लोगों को जागरुक किया। एक्ट्रेस ने बताया कि ये बीमारी इंटीमेसी के दौरान स्किन टच होने पर फैलती है। एक्ट्रेस ने कहा कि इसमें हाथ मिलाने जैसा टच शामिल नहीं है। यहां बात इंटीमेसी टच की हो रही है। उन्होंने कहा कि इस वायरस से कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। ये महिलाओं और पुरुषों दोनों को हो सकता है। जान्हवी ने बताया कि वायरस अपने साथ बड़ी बीमारी लेकर आता है।

य

यामी गौतम स्टारर आर्टिकल 370 गल्फ देशों में हुई बैन

यामी गौतम स्टारर एक्शन पॉलिटिकल थ्रिलर आर्टिकल 370 गल्फ देशों में बैन कर दी गई है। आर्टिकल 370 इस तरह की सेंसरशिप का सामना करने वाली साल की दूसरी फिल्म है। इससे पहले ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्टारर फाइटर पर UAE छोड़कर बाकी सभी गल्फ देशों में बैन लगा दिया गया था।आदित्य सुहास जामभले के डायरेक्शन में बनी फिल्म आर्टिकल 370 राजनीतिक मुद्दों को गहराई से दिखाती है। ये फिल्म जम्मू-कश्मीर को मिले स्पेशल स्टेटस को रद्द करने के PMO फैसले पर आधारित है। फिल्म में ऐसे कई मुद्दे दिखाए गए हैं, जिससे लोग आज दिन भी अनजान हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर रही है, लेकिन बहरीन, कुवैत, इराक, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में बैन कर दी गई है। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि शायद गल्फ देशों और बॉलीवुड के बीच सब कुछ ठीक नहीं है। खबरों के मुताबिक,भारतीय सिनेमा के इन देशों में बहुत सारे फैंस हैं। आर्टिकल 370 और फाइटर जैसी फिल्मों के बैन होने के बाद बड़ा सवाल उठने लगा है।आर्टिकल 370 में यामी गौतम ने जूनी हकसर नाम की इंटेलिजेंस ऑफिसर का किरदार निभाया है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने एक भाषण में इस फिल्म का जिक्र भी किया था। उन्होंने कहा था- मैंने सुना है कि इस हफ्ते आर्टिकल 370 पर एक फिल्म रिलीज होने जा रही है...यह अच्छी बात है, क्योंकि इससे लोगों को सही जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

रवीना टंडन के साथ सेल्फी लेने के लिए उमड़ी भीड़

वीडियो हुआ वायरल, लोगों ने किया ट्रोल

90 के दशक की टॉप क्लास एक्ट्रेस रहीं रवीना टंडन का चार्म आज भी पहले की तरह कायम है। लंबे समय तक एक्टिंग से दूर रहने के बाद रवीना ने पिछले कुछ समय में ओटीटी की दुनिया में पांव जमाया है। हाल ही में 'कर्मा कॉलिंग' रिलीज हुई, जिसमें रवीना ने पॉवरफुल एक्टिंग से साबित किया कि वह आज भी किसी से कम नहीं। एक्टिंग के साथ-साथ रवीना अपने लुक्स और खूबसूरती को लेकर भी चर्चा में बनी रहती हैं। इस बीच एक्ट्रेस का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह भीड़ से घिरीं और जल्दबाजी में नजर आ रही हैं। रवीना का ये वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में रवीना टंडन को फैंस के बीच फंसा देखा जा सकता है। वह एक्ट्रेस के साथ सेल्फी लेने के लिए बेताब हैं। जबकि, रवीना खुद को उनसे बचाते हुए जल्दबाजी में बाहर निकलने की कोशिश करते देखी जा सकती हैं। सिक्योरिटी वाले एक्ट्रेस को इन सबसे बाहर ले जाते हुए दिखाई दिए। इस दौरान धक्का-मुक्की जरूर हुई, लेकिन किसी भी तरह की घटना होने से वह बच गईं। उधर, फैंस ने इस वीडियो पर कई तरह के कमेंट्स किए हैं। एक यूजर ने लिखा, 'सेलिब्रिटी होना वाकई मुश्किल है।' एक ने लिखा, 'फैन फॉलोइंग काफी अच्छी है आपकी।'इस वर्सटाइल एक्ट्रेस के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें, तो फैंस उन्हें डायरेक्टर अहमद खान की फिल्म 'वेलकम 3' में देखेंगे। फैंस इस मूवी के लिए खासे उत्साहित हैं। इसकी एक वजह ये भी है कि लंबे समय के बाद अक्षय कुमारऔर रवीना टंडन एक ही पिक्चर में नजर आएंगे।